भीलवाड़ा: शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2024
RNI NO. RAJHIN/2016/74127
नमस्ते राजस्थान
वर्ष: 09: अंक: 29 E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com भीलवाड़ा संस्करण पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र मो. 9214417111, 8005910698

जिम्मेदार अधिकारियों के कारण नेहरू उद्यान अपने हालातो पर आंसू बहा रहा है नेहरू तलाई की दीवारे टूटी कभी भी कोई बड़ा हादसा इंतजार कर रहा है नगर विकास न्यास

नमस्ते राजस्थान

पवन बावरी / भीलवाड़ा। शहर के पर्यटन की दृष्टि से नेहरू उद्यान का सर्वोच्च स्थान है यहां का वातावरण देखने से निखरता है शायद भीलवाड़ा वासी नेहरू उद्यान को लव गार्डन के रूप में जानते हैं यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सकून मिलता हैं कई सालों से स्थापित लव गार्डन जिम्मेदारों के कारण अपनी सुंदरता खो चुका है अब घूमने आने वालो की संख्या कम हो चुकी है नगर विकास न्यास ने करोड़ों रुपए खर्च करके लगाए गए झूले भी टूट चुके हैं और यहां चलने वाली ट्रेन भी बंद हो चुकी है मगर अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है। जिनको जिम्मेदारिया दी गई वह अपने चहेतो को ठेके देकर लव गार्डन की सुंदरता पर दाग लगा चुके हैं । नेहरू उद्यान में चारभुजा नाथ के मंदिर के साथ साथ चामुंडा माता का सुंदर मंदिर है जहां कॉलोनी वासी पूजा आर्चना करते हैं नेहरू उद्यान अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है रात के समय केवल शराबियों ओर नशेडियों के अलावा कोई नहीं दिखता शायद इसी कारण शाम को कोई भी शरीफ व्यक्ति वहां नहीं ठहरता है कॉलोनी वासियों का कहना है कि यहां कई लोगो के साथ चोरीया जैसी घटना हो चुकी है उसके बावजूद पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती जबकि सुभाष नगर थाना पास में ही है। हालांकि कुछ दिन तक पुलिस कर्मचारी पहरा लगाने आते हैं मगर 10 मिनिट बाद वापस चले जाते कॉलोनी वासियों की मांग है शाम ओर सुबह पुलिस कर्मचारी यहां पहरा देना चाहिए उनकी ड्यूटी लगानी चाहिए जिससे आम नागरिक बिना भय के पार्क में अपना समय व्यतीत कर सके। उद्यान का तलाई हो चुका हे बदबू दार दीवारें टूटी हादसे के इंतजार में जिम्मेदार लव गार्डन में स्थिति नेहरू तलाई की हालत भी खस्ताहाल हो चुकी है करोड़ों खर्च करके तलाई के चारों तरफ बनाई गई दीवारें अब टूट चुकी हैं जहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता शायद जिम्मेदार हादसे का इंतजार कर रहे हैं बाकी दीवारों पर दरारे आ चुकी है जिसका भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी निरीक्षण कर चुके हैं अधिकारियों मौका मुआयना करा चुके हैं उसके बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई पार्क अधीक्षक रफीक पठान को कॉल किया जाता है तो समय पर फोन नहीं उठाएंगे जिनकी जिम्मेदारी है वह नेहरू उद्यान से मुंह मोड़ चुके हैं। जन प्रतिनिधियों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है । भीलवाड़ा के विकास का सपना लिए विधायक कोठारी को अब इनका निरीक्षण करना चाहिए इसकी तस्वीर बदलनी चाहिए जनता की उम्मीद अब कोठारी पर टिकी हुई है।कॉलोनी वासी का कहना हे कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। दो पार्क को जोड़ने वाली एकता एक्सप्रेस 3 साल से बंद राजीव गांधी और नेहरू उद्यान को जोड़ने वाली एकता एक्सप्रेस कई सालों से धूल खा रही है स्कूली बच्चों को ग्रीष्मकाल में ट्रेन में घूमने का इंतजार रहता है जब पता चलता हे कि ट्रेन बंद हे तो बच्चों के उम्मीदों पर पानी फिर जाता है। जब इसके लिए अधिकारों से बात की गई तो उनका कहना हे कि अभी तक इसका कोई टेंडर नहीं हुआ। इसलिए ट्रेन बंद हे । राजीव गांधी पार्क में भी झूले टूट चुके हैं वहीं यहां के ठेकेदार के मनमानी के चलते जल्द ही पार्क के गेट बंद कर दिए जाते हैं । नाराज कॉलोनी वासी कई बार अधिकारियों को शिकायत कर दी मगर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। नेहरू उद्यान के झूले और कसरत करने के लिए गए जिम स्लॉट भी टूटी नेहरू उद्यान में जितनी कमियां निकाली जाए उतनी कम है लाखों रुपए खर्च होने के बाद बने झूले अब टूट चुके हैं झूलने के लिए आते बच्चों से 5 रुपए लिए जाते हे टूटे झूलो पर बच्चों जब खेलते हैं तो कई बच्चों को चोटे आ जाती है मगर जिम्मेदार मोन है। कभी अधिकारियों से बात की जाती है तो उसको टालने का प्रयास किया जाता है। सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि मुझे पार्कों के हालात के बारे में पता चला इस पर विचार करेंगे और संबंधित अधिकारी को पाबंद करेंगे। हमारी पहली प्राथमिकता भीलवाड़ा का विकास हे यदि इस तरह से कुछ होता है तो उन पर कार्यवाही करेंगे पाबंद करेंगे। *नेहरू उद्यान में बना कैफे फैला रहा तलाई में गंदगी नेहरू उद्यान में बना कैफे अब तलाई में गंदगी फैला रहा है यहां होने वाली सारी गंदगी तालाब में जाती है जिससे पानी दूषित ओर बदबू दार हो रहा है। हालांकि ये कैफे का टेंडर है संचालन को अधिकारियों ने अभी तक पाबंद नहीं किया। बरसात के समय दूषित पानी के कारण कई मछलियां मरी हुई मिली मगर उस पर भी अधिकारी अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे पाए। कुछ बात करे तो बहाने बना लेते हैं। नगर विकास न्यास के सचिव ललित गोयल से बात की गई तो मीटिंग का हवाला दे दिया गया। अब देखना होगा कि अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की नीद खुलती है या नहीं नेहरू उद्यान यूंही अपने हालतों पर आंसू बहाते रहेगा । भीलवाड़ा की जनता को नेहरू उद्यान की तस्वीर बदलने का इंतजार है ।

विधायक पितलिया ने गुंदली में किया निःशुल्क साइकिल वितरण

नमस्ते राजस्थान

गुरला / (बद्री लाल माली) । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुंदली में कक्षा 9 में अध्यनरत 16 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई । प्रभारी मुरलीधर अहीर एवं सहयोगी सत्यनारायण खटीक ने बताया कि राज्य सरकार के निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में गुंदली विद्यालय से कक्षा 9 में पढ़ने वाली पात्र 16 छात्राओं को विधायक लादू लाल पितलिया एवं गुंदली सरपंच शंभू लाल गुर्जर के कर कमलों से साइकिल का वितरण किया गया । विद्यालय में आयोजित साइकिल वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए विधायक पितलिया ने राज्य सरकार की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना को सराहा और कहा कि यह योजना अनवरत जारी रहेगी और छात्राओं को इसका लाभ मिलता रहेगा । सरपंच गुंदली शंभू लाल गुर्जर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया । इस अवसर पर रायमल गुर्जर, देवा लाल गुर्जर, नारायण लाल गुर्जर, महावीर सेन, कालू लाल गुर्जर, रतन लाल गुर्जर उपस्थित थे ।

महात्मा फूले की 134वीं पुण्यतिथि मनाई, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

महात्मा फूले ने सामाजिक क्रांति की जगाई अलख- माली

नमस्ते राजस्थान

गुरला / (बद्री लाल माली) । भारत के महान सामाजिक पुरोधा महात्मा ज्योतिबा फूले की 134वीं पुण्यतिथि फूले सेवा संस्थान के तत्वावधान में मनाई गई। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फूले की भीलवाड़ा स्थित देवरिया बालाजी के समीप प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने आजादी से 100 साल पहले देश में सामाजिक क्रांति की अलख जगाई थी। छूआछूत, ऊंच नीच, भेदभाव आदि तमाम कुरीतियों का उन्मूलन कर सामाजिक समरसता का उन्होंने देश को संदेश दिया। युवा पीढी को आज महात्मा ज्योतिबा फुले के इस संदेश को आत्मसात करने की जरूरत है। महात्मा ज्योतिबा फुले की शिक्षाएं वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं। महात्मा जी ने सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अनुकरणीय योगदान दिया था। आज हम सभी संकल्प लें कि उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें।

विचार गोष्ठी एवं पुष्पाजंलि कार्यक्रम में माली (सैनी) महासभा के जिला अध्यक्ष भैरूलाल माली, सैनी कर्मचारी संस्था के अध्यक्ष तोताराम माली, युवा महासभा के जिलाध्यक्ष हरनारायण माली, जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन मानसिंहका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल,जिला महामंत्री सत्यनारायण गुलगांवा,जिलामंत्री मुरलीधर सैनी, पहले सेवन संस्थान के कोषाध्यक्ष शंकर गोयल,गोपाल चुलीवाल भेरूलाल माली , चौथमल रागस्या, नारायण माली, भैरूलाल माली, लादूलाल माली, प्रभु लाल माली, लक्ष्मण श्रीवावाल,नानूराम गोयल, सुखदेव माली ,राजेश जीनगर, चिरंजीलाल, देवीलाल माली, बंसीलाल माली,सुखदेव माली,सहित संस्था के समस्त पदाधिकारीगण एवं सदस्य सहित समाज के गणमान्य लोग एवं फूले के अनुयायी उपस्थित थे।

गुंदली और बांसड़ा में भामाशाह ने विधालय में बच्चों को 200 जर्सियां की वितरित खिल उठे बच्चों के चहरे

नमस्ते राजस्थान

गुरला । गुरला क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुंदली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुंदली और उच्च प्राथमिक विद्यालय बांसड़ा में आज भामाशाह रतन देवी काबरा ने आज स्कूलों में आकर बच्चों को ऊनी जर्सियां वितरित की । गुंदली स्कूल से महेश मंडोवरा ने बताया कि भीलवाड़ा निवासी नितिन काबरा और रतन देवी काबरा ने सर्दी से बचाव के लिए गुंदली पंचायत में स्थित गुंदली और बांसड़ा विद्यालयों में नन्हे मुन्ने बच्चों को 200 जर्सियां वितरित की । विद्यालय परिवार ने भामाशाह काबरा परिवार का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया ।

एक शाम नृरसिंग भगवान के नाम भजन संध्या में दी बेहतरीन प्रस्तुति, किया नृसिंहग की महिमा का बखान

मंच एक स्वर अनेक राजस्थान के कलाकारों ने रंग जमाया, श्रोता भी नाचने पर हुए मजबूर झाकियां का अद्भुत प्रदर्शन

नमस्ते राजस्थान

गुरलाँ । नृरसिंग द्वारा माली मोहल्ला वार्ड नं 3 धर्मनगरी पुर में प्रथम बार एक साथ , अनेक कलाकार एक मंच अनेक स्वर राजस्थान के बेहतरीन सुप्रसिद्ध भजन गायक कलाकार द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गायक कलाकार धर्म राज ने गणपति वंदना के साथ ही कार्यक्रम की शुरूआत की।नरेश प्रजापत, अर्जुन राणा, धर्मराज मेजा, प्रेम शंकर जाट, मनीष खोईवाल, लालू जिगपुरा, रघुनंदन गुर्जर,रवि सुथार सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अच्छी प्रस्तुति दी। भजन गायकों ने बाबा नृरसिंग भगवान की महिमा का बखान किया। भजन संध्या में भजन गायकों ने विष्णु की स्तुति में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। नृसिंहग भगवान के भजन के अलावा राजस्थान के मधुर भजनों की प्रस्तुति पर श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए।इस अवसर पर नृत्य कलाकारों कोमेडी दिनेश छेला डांसर कृष्णा डांसर मोनिका ने भी अपने प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया। भजन संध्या में बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।सर्दी में भी झाकियां ने लोगों को अलसुबह तक लोग भजन सुनते रहे

आयोजन अंकीत गणेश गोपाल प्रहलाद प्रिति के मुडन संस्कार कार्यक्रम के आयोजन हुआ आयोजन कर्ता प्यार चंद डालचंद केलाश पप्पू लाल कनवासिया माली परिवार पुर के अलावा पुर व आसपास के गांवो के लोग भी मौजूद रहे

भक्तों की अपार आस्था

पुर में नृसिंहग भगवान मे लोगों के अलावा माली परिवार की नृसिंहग भगवान के प्रति भक्तों की आस्था और अधिक गहरी हुई है। साथ ही समय-समय पर प्रमुख अवसरों पर विशेष आयोजन होते हैं। पुर में नृसिंहग भगवान के मंदिर में रोजाना पूजा-पाठ एवं आरती का आयोजन किया जाता है। नृसिंहग भगवान के प्रति भक्तों की अपार आस्था है। सभी जाति-वर्ग के लोगों का जुड़ाव बना हुआ है। गुरला कारोई गाडरमाला मुजरास भीलवाड़ा गंगापुर से लोग मोजूद रहे।

ह्यूमन ट्रैफकिंग मामले में 6 राज्यों में 22 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। मानव तस्वकरी के मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है।एनआईए की टीम ने देशभर में छापेमारी की है।सूत्रों के मुताबिक, 6 राज्यों में 22 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।इससे पहले एनआईएन ने बुधवार को देश में हथियार और गोला-बारूद की तस्करी संबंधी आतंकी संगठनों की साजिश की जांच के तहत कई राज्यों में नौ स्थानों पर छापेमारी की।एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। एनआईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एनआईए की कई टीम ने हरियाणा के पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम जिलों, पंजाब के जालंधर जिले और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में आतंकवादी-गैंगस्टर नेटवर्क मामले में संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली।जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि तलाशी के दौरान मोबाइल/डिजिटल उपकरण, बैंकों के लेनदेन और संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गईं।

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की गहलोत ने की निंदा

जयपुर।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और इस्कान प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा की है।उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार से वहां रहे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस नेता गहलोत ने पोस्ट में लिखा, ''बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार जारी हिंसा एवं हिंसा के खिलाफ लगातार बोल रहे चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी निंदनीय है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में पीएम शेख

हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा जारी है परन्तु नई अंतरिम सरकार ने हिंसा रोकने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए हैं। 1970 के दशक में जब ऐसी गतिविधियां हुईं थीं तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने सख्त कदम उठाकर वहां हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की थी।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि '' भारत सरकार को हस्तक्षेप कर वहां रह रहे हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

दिल्ली में दिमागी बुखार का एक मामला सामने आया

नई दिल्ली ।देश की राजधानी दिल्ली में दिमागी बुखार का एक मामला सामने आया है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय शुरू कर दिए गए हैं, और चिंता की कोई बात नहीं है। सूत्रों ने दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी आदेश का हवाला देकर कहा कि पश्चिमी दिल्ली के 72 वर्षीय व्यक्ति को सीने में दर्द के बाद तीन नवंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। सूत्र ने कहा कि रोगी 20 साल से अनियंत्रित मधुमेह सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित है और अस्पताल में भर्ती कराने दौरान रोगी की दिमागी बुखार (जापानी एंसेफलाइटिस) जांच की गई, जिसके लिए छह नवंबर को उसका रक्त का नमूना लिया गया था। सूत्र ने बताया कि वह 'आईजीएम एलिसा' से संक्रमित पाया गया, जिसके बाद 15 नवंबर को उस छुट्टी दे दी गई।आईडीएसपी डेटा के अनुसार, 2024 में 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दिमागी बुखार के 1,548 मामले सामने आए, जिसमें सिर्फ असम से 925 मामले शामिल है।

राष्ट्रद्रोह मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुई कंगना रनौत

आगरा । राष्ट्रद्रोह वाद में भाजपा सांसद एवं सिने तारिका कंगना रनौत के लिए स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने धारा 200 सीआरपीसी के तहत अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद नोटिस भेजा था।जिसमें लिखा था कि अगर विपक्षी को अपना पक्ष रखना है तो व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पेश हों। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ दायर वाद में गुरुवार को सुनवाई हुई। कंगना रनौत को आना था, लेकिन न तो वो आईं और नाहीं उनके अधिवक्ता।इसके बाद कोर्ट ने 12 दिसंबर की तारीख सुनवाई के लिए दी गई है। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने धारा 200 सीआरपीसी के तहत अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद विपक्षी को नोटिस भेजा था।वह उनके पते पर पहुंच गया, जिसमें लिखा था कि अगर विपक्षी को अपना पक्ष रखना है तो व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पेश हों।वरिष्ठ अधिवक्ता ने वाद पत्र में लिखा था कि वह देश के किसानों के प्रति और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति पूर्ण रूप से श्रद्धा भाव एवं सम्मान रखते हैं। 26 अगस्त 2024 को भाजपा सांसद कंगना रनौत ने टीवी चैनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी की। इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाया था।

यूपीआई फ्रॉड के मामले बढ़े, 485 करोड़ रुपए की ठगी

नई दिल्ली ।यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाले फ्रॉड के मामलों में वृद्धि देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीयों ने यूपीआई धोखाधड़ी के के चलते लगभग 485 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं।वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यूपीआई से धोखाधड़ी की घटनाएं छह लाख 32 हजार तक पहुंच चुकी हैं। ये आंकड़े सितंबर महीने तक के जारी किए गए हैं। वहीं 2022-23 से अब तक की अवधि में 27 लाख लोगों के साथ धोखाधड़ी की घटनाएं हुई है, जिसमें यूजर्स को 2145 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।वहीं, सिर्फ साल 2023-24 में 13 लाख से ज्यादा लोगों के साथ यूपीआई की धोखाधड़ी हुई हैं, जिसमें इन लोगों ने कुल 1087 करोड़ रुपए गंवा दिए हैं।

जिला स्तरीय बाल श्रम टास्क फोर्स समिति की बैठक का हुआ आयोजन

बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध होगी कठोरतम कार्यवाही

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, । जिला स्तरीय बाल श्रम टास्क फोर्स समिति की बैठक जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओपी मेहरा, जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारी, टास्क फोर्स के सदस्यगण, ईट भट्टा एसोसिएशन, व्यापार मण्डल भीलवाड़ा के प्रतिनिधि और श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला कलक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारीयों को निर्देशित किया गया कि उपखण्ड स्तर पर माह में दो बाल श्रम जागरूकता हेतु कैंप चलाये जाएं। उन्होंने सीडीईओ अरुणा गारू को निर्देशित किया गया कि ईट भट्टो पर कार्यरत मजदूरों के

बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाए। उन्होंने जिले की विभिन्न एसोसिएशनों के अध्यक्षों/प्रतिनिधियों को बाल श्रम मुक्त जिला बनाने हेतु सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए कठोर कार्यवाही

जिला कलक्टर ने उप श्रम आयुक्त सुनील कुमार और अन्यअधिकारियों को जिले के विभिन्न संस्थानों पर औचक निरीक्षण कर बाल श्रम के संबंध में कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिले के किसी संस्थान में बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही जाएं।

मेजा नहर की सुरक्षा दीवार का अतिशीघ्र होगा कार्य प्रारंभः विधायक कोठारी

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। पिछले दिनों मेजा नहर में हुए हादसे का भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने संज्ञान लेते हुए जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से कार्यालय पर बैठक कर शहर के मध्य से गुजरने वाली मेजा नहर पर दीवार निर्माण कार्य करवाने का निर्देश दिया। जिसपर अधिकारियों द्वारा राज्य सरकार

द्वारा कार्य की बजट स्वीकृति जारी नहीं होने की बात कही। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, विधायक कोठारी द्वारा जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत को पत्र लिखकर उक्त नहर की सुरक्षा दीवार बनाने के लिए बजट स्वीकृति जारी करने हेतु पत्र लिखा। जिससे की अतिशीघ्र बजट स्वीकृति जारी हो सके, तत्पश्चात सुरक्षा दीवार बनाने का कार्य प्रारंभ होगा। आपको बता दे मेजा डेम की मुख्य नहर जो भीलवाड़ा शहर की आवासीय कॉलोनियों के मध्य से होकर गुजर रही है, इसका निर्माण लगभग वर्ष 1957 का है, करीब 7 दशक पुरानी होने से क्षतिग्रस्त हो गई है, सुरक्षा दीवार ना होने से आए दिन जनधन एवं पशुधन की हानि हो संभावना बनी रह रही है। मेजा बांध से सिंचाई के लिए पानी छोड़े जाने से इन दिनों नहर लबालब है।

बिहारः 'माई' और 'बाप' का फॉर्मूला पूरी तरह से हुआ फेल, अब आरक्षण पर चलेगी सियासत

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में आए दिन बदलाव होते रहते हैं। यहां बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव आरक्षण के मुद्दे पर खूब उछल रहे हैं। ये जानते हुए भी कि बिहार में उनका 'माई' और 'बाप' का फॉर्मूला पूरी तरह से फेल हो चुका है। अब तजस्वी यादव बिहार सरकार से वंचित जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को '85 प्रतिशत' आरक्षण देने की मांग करने लगे हैं। मतलब साफ है कि अब आरक्षण के मुददे पर बिहार से सियासत चलेगी। तेजस्वी यादव ने मंगलवार को विधानसभा में इसको लेकर कार्य स्थगन का प्रस्ताव दिया था, जिसे विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने स्वीकार नहीं किया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर तेजस्वी यादव को बोलने का मौका दिया। लेकिन, इस दौरान तेजस्वी यादव और डिप्टी सीएम स्रमाट चौधरी में तीखी बहस शुरू हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि पूर्व प्रधानमंत्री बीपी सिंह, लालू यादव और राबड़ी देवी का जिक्र होने लगा।

बता दें कि सम्राट चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा था कि लालू यादव ने एक भी आदमी को आरक्षण नहीं दिया। इसी मुद्दे पर तेजस्वी यादव बुधवार को सम्राट चौधरी पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा, 'उन्होंने कैसे बोल दिया कि लालू यादव ने आरक्षण नहीं दिया? सबसे पहले

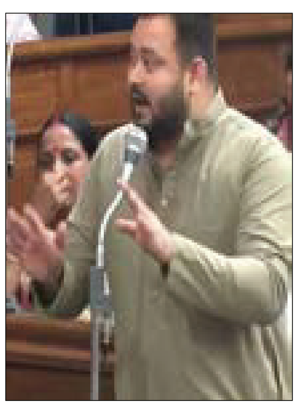

आरक्षण लालू यादव की सरकार ने ही दिया था। सम्राट चौधरी को शर्म आनी चाहिए। अज्ञानी आदमी हैं। झूठ बोल रहे हैं। संगत का असर है या पार्टी का? लालू यादव ने ही 12 प्रतिशत अति पिछड़े के आरक्षण को बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया था। फिर राबड़ी देवी की सरकार ने 14 प्रतिशत के आरक्षण को 18 प्रतिशत कर दिया।तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'सम्राट चौधरी कहते हैं कि पंचायत में आरक्षण नीतीश कुमार ने दिया है। वो अपनी गलती सुधार लें। पंचायत में जो आरक्षण मिला है उसका मसौदा राबड़ी देवी की सरकार में तैयार हुआ था। मामला कोर्ट में चला गया था, जिसे बाद में नीतीश कुमार ने लागू किया। सम्राट चौधरी को यह जानना चाहिए कि लालू यादव के कारण ही आरक्षण को लेकर बीपी सिंह को गाली सुननी पड़ी थी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की खुद के दम पर खड़े होने की योजना

सपा के भरोसे नहीं है कांग्रेस का मिशन-2027

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। चुनाव को भले ही दो साल से ज्यादा का समय है, लेकिन कांग्रेस अभी से खुद की सियासी जमीन तलाशना शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस खुद के दम पर खड़े होने की योजना बना रही है। कांग्रेस का मिशन 2027 समाजवादी पार्टी के भरोसे नहीं है। इसके लिए कांग्रेस राज्य की सभी 403 सीटों को तीन हिस्सों में बांटकर अभी से चुनावी योजना पर काम कर रही है, जिसमें पहले 160 सीट पर खास फोकस करने की योजना है। इसके बाद 243 सीटों को दूसरे और तीसरे नंबर पर रखकर पार्टी आगे बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव अनिल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी

शुरू कर दी है। कांग्रेस यूपी की 160 सीटों पर पहले फोकस करने रणनीति बना रही है। राज्य के हर जिले में कम से कम दो सीटों पर कांग्रेस 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इस संबंध में यूपी के 13 जिलों में बैठकें हो चुकी हैं। देवीपाटन मंडल से जिला स्तरीय बैठक में विधानसभा सीटों का चयन पर विचार किया जाएगा।

हम गठबंधन के भरोसे नहीं बैठे रहेंगेः अनिल यादव

अनिल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़े थे और अभी भी हमारा गठबंधन है, लेकिन हम सिर्फ गठबंधन के भरोसे नहीं बैठे रहना चाहते। सीटों के चयन के साथ-साथ संगठन को भी मजबूत करने की कवायद चल रही है। ऐसे में 160 सीटों का चयन पार्टी नेताओं के सलाह करने के लिए ही जिला स्तर पर बैठकें कर रहे हैं। यूपी में कांग्रेस का मुख्य फोकस दलित, ओबीसी और मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का है। 160 सीटों के चयन के बाद कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों लेकर अलग-अलग कार्यक्रम शुरू करेगी. इन सीटों पर कांग्रेस जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को धार देने की स्ट्रैटेजी भी बना रही है ताकि, दलित, ओबीसी और मुस्लिम वोटों को विश्वास जीता जा सके। अनिल यादव का कहना है कि सामाजिक न्याय के मुद्दे पर लोकसभा के चुनाव में इंडिया गठबंधन को जीत मिली थी, उसे लेकर हम विधानसभा चुनाव में उतरेंगे।

बिरसा मुंडा के परपोते का हाल जानने रिम्स पहुंचे हेमंत सोरेन, पत्नी भी थी साथ

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष और मनोनीत सीएम हेमंत सोरेन राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) पहुंचे। रिम्स में उन्होंने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंगल मुंडा पिछले दिनों एक दुर्घटना में घायल हो गए थे। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रिम्स के नए ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और उन्होंने चिकित्सकों से मंगल मुंडा के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। रिम्स के 'चीफ सीनियर रेजिडेंट' ने बताया कि हादसे में मंगल मुंडा के मस्तिष्क में गंभीर चोट थी और मस्तिष्क के दोनों तरफ खून के थक्के जम गए थे। दुर्घटना में काफी खून बह गया था और उन्हें तत्काल ऑपरेशन की जरूरत थी। मंगलवार को उनका सफल ऑपरेशन किया गया। अब वह खतरे से बाहर हैं।

सुरभि गौशाला में आर्गेनिक खेती पर समीक्षा बैठक संपन्न

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। आटूण रोड पर स्थित न्यू सुरभि गौशाला में ऑर्गेनिक खेती पर समीक्षा बैठक विधायक अशोक कोठारी की अध्यक्षता व आरसीएम चैयरमेन त्रिलोकचन्द छाबड़ा के आतिथ्य में सम्पन्न हुई, मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, मौसमी सब्जियां भोने के लिए तैयारियां की जा रही है, गौमाता से प्राप्त गोबर का सदुपयोग करते हुए जैविक खेती के माध्यम से सब्जियां तैयार की जाएगी, जैविक खेती के तहत वर्तमान में गना, अमरूद, नेपियर गास, सेजल (मोरिंगा) शुद्ध रूप से जैविक ही तैयार करके उपयोग में लिया जा रहा है, शहर में निवासरत लोगो को जैविक सब्जियां प्राप्त करने के लिए, प्रोत्साहित करने के लिए छत पर नेट हाउस बनाया गया, जिसमें खीरा, लौकी, टमाटर, शिमला मिर्च, लगा दी गयी है, जो एक मॉडल के रूप में विकसित होगा, जिससे स्वयं के घर की छत

पर सब्जियां उत्पादित कर शुद्ध एवं पौष्टिक उत्पादन लेकर शहर में निवासरत लोग लाभ ले सकेंगे। इस दौरान लाल जी महाराज, देवीलाल गुर्जर, कृषि पर्यवेक्षक रतन शर्मा, डॉ. देवेंद्र कुमावत, गौसेवक एवं उद्योगपति रवि अग्रवाल, महेश नवहाल, गौशाला प्रभारी सुरेश चंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

कड़कड़ाती ठंड से परेशान दिल्ली में स्मॉग का भी बढ़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को ठंड, धुंध और बढ़ते प्रदूषण की दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी में वायु गुणवत्ता लगातार बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। वहीं, बुधवार की रात इस मौसम की दूसरी सबसे ठंडी रात के रूप में दर्ज की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक, यानी 10.4 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। इस सीजन की सबसे ठंडी रात 21 नवंबर को थी, जब तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार, गुरुवार सुबह 6 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 302 दर्ज किया गया। हालांकि, इसमें मामूली सुधार देखा गया है, क्योंकि बुधवार को एक्यूआई 312 दर्ज किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह 6 बजे विभिन्न क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक निम्न प्रकार दर्ज किया गयाः आनंद विहार में 357, अशोक विहार में 318, बवाना में 341, बुराड़ी क्रॉसिंग में 320, जहांगीरपुरी में 354, चांदनी चौक में 293, द्वारका सेक्टर 8 में 332, आईजीआई एयरपोर्ट पर 301, आईटीओ में 284, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 267, लोधी रोड पर 261, मुंडका में 364, नरेला में 312, नेहरू नगर में 331, पटपड़गंज में 325, पंजाबी बाग में 311, पूसा में 281, आरके पुरम में 310, रोहिणी में 317, शादिपुर में 351, विवेक विहार में 328 और वज़ीरपुर में 330। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए मध्यम स्तर के कोहरे का पूर्वानुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इसके अलावा, दिल्ली में 28 नवंबर के लिए घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दहेज प्रताड़ना मामले में रिश्तेदारों पर बिना सबूत केस चलाना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का आदेश पलटा, मामला किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना मामलों में दूर के रिश्तेदारों को अनावश्यक रूप से शामिल किए जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में आरोपों का गहराई से परीक्षण किया जाना चाहिए ताकि यह तय हो सके कि किसी को बिना वजह आरोपी न बनाया जाए। यह टिप्पणी जस्टिस सीटी रविकुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दी।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के एक आदेश को पलटते हुए एक महिला के पति के चचेरे भाई और उसकी पत्नी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज कर दिया। महिला के पिता ने दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें पति, सास-ससुर के अलावा दूर के रिश्तेदारों को भी आरोपी बनाया था। कोर्ट ने कहा कि जब शिकायत में मुख्य आरोपी के अलावा अन्य लोगों, विशेषकर दूर के रिश्तेदारों के खिलाफ आरोप लगाए जाते हैं, तो कोर्ट का दायित्व है कि वह यह तय करे कि क्या आरोप साक्ष्यों पर आधारित हैं या सिर्फ दबाव बनाने के लिए लगाए गए हैं।

कोर्ट ने प्रीति गुप्ता, झारखंड (2010) और गीता मेहरोत्रा, यूपी (2012) जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि झूठे मामलों में आरोपी को बरी कर दिए जाने के बाद भी उससे हुई बदनामी के घाव मिटाए नहीं जा सकते। कोर्ट ने कहा कि बिना किसी ठोस सबूत के मुकदमा चलाना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'रिश्तेदार' शब्द को कानून में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसे सामान्यतः पति, पत्नी, माता-पिता, भाई-बहन या अन्य निकट संबंधियों तक सीमित माना जाना चाहिए। ऐसे व्यक्ति, जो ब्लड रिलेशन, विवाह, या गोद लेने के जरिए परिवार से जुड़े नहीं हैं, उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोर्ट द्वारा विशेष सतर्कता से परीक्षण किया जाना चाहिए।

इस मामले में महिला जालंधर में रहती थी जबकि पति के चचेरे भाई और उनकी पत्नी मोहाली में। अदालत ने पाया कि दूर के रिश्तेदारों के खिलाफ लगाए गए आरोप सामान्य और आधारहीन थे। यह आरोप सिर्फ मुख्य आरोपी पर दबाव बनाने के उद्देश्य से लगाए गए प्रतीत होते हैं। एफआईआर दिसंबर 2020 में तब दर्ज की गई थी, जब महिला के पति ने तलाक की कार्यवाही शुरू की थी। शिकायत में पति, सास-ससुर के साथ चचेरे भाई और उनकी पत्नी को भी आरोपी बनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए केस खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला दहेज प्रताड़ना के झूठे मामलों को रोकने में एक नजीर के रूप में काम करेगा। कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि ऐसे मामलों में सिर्फ सबूतों के आधार पर ही कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि न्याय प्रणाली का दुरुपयोग न हो और निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

भारतीय नौसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा

बैलेस्टिक मिसाइल के-4 का सफल परीक्षण, मारक क्षमता 3500 किमी, समंदर में छिपकर तबाह कर देगी बीजिंग-इस्लामाबाद!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीले समुद्र में भारतीय नौसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। भारतीय नौसेना परमाणु शक्ति संपन्न होने की दिशा में लगातार आगे बढ़ ही रही है। इसी उद्देश्य के साथ कुछ समय पूर्व देश की दूसरी परमाणु पनडुब्बी अरिघात नौसेना में शामिल की गई थी।

अब इसी पनडुब्बी से 3500 किलोमीटर की सीमा तक मारक क्षमता सबमरीन लॉन्च बैलेस्टिक मिसाइल के-4 का सफल परीक्षण किया गया है। इसे बंगाल की खाड़ी में विशाखापत्तनम के पास से लॉन्च किया गया। परीक्षण में ये मिसाइल अपनी सभी तय मानकों पर खरी उतरी। हालांकि इस लॉन्च की आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा की ताकत को बढ़ाते हुए देश की दूसरी परमाणु पनडुब्बी अरिघात से 3500 किलोमीटर दूर तक मारक क्षमता वाली सबमरीन लॉन्च बैलेस्टिक मिसाइल के-4 का सफल परीक्षण किया है। इसे बंगाल की खाड़ी में विशाखापत्तनम के पास से लॉन्च किया गया। परीक्षण में ये मिसाइल अपनी सभी तय मानकों पर खरी उतरी।

अब तक 6 से ज्यादा सफल परीक्षण किए जा चुके

के-4 मिसाइल 10 मीटर लंबी और 20 टन वजनी

भारत के-5 मिसाइल पर काम कर रहा जिसकी रेंज 5000 किमी

2010 में हुआ था पहला परीक्षण

रिपोर्ट के मुताबिक इस परीक्षण के लिए पहले से ही एक नोटिस टू एयरमैन (नोटम) जारी किया गया था। ये एक चेतावनी होती है जो कि उस इलाके से उड़ान भरने वाले सिविल या मिलिट्री एयरक्राफ्ट के लिए जारी की जाती है। पहली बार इस मिसाइल को पनडुब्बी से लॉन्च किया गया। 2010 में इसका पहला परीक्षण किया गया था। उसके बाद से आधा दर्जन से ज्यादा सफल टेस्ट किए जा चुके हैं। 10 मीटर लंबा 20 टन वजनी इस मिसाइल से एक टन पैलोड को 3500 किलोमीटर तक दागा जा सकता है।

भारत के पास छोटी दूरी की मिसाइल के-15 भी

भारत के पास पनडुब्बी से दागे जाने वाली मिसाइलों में छोटी दूरी तक मारक क्षमता वाली बैलेस्टिक मिसाइल के-15 भी मौजूद है जो कि आईएनएस अरिंहत में लगी है। इसकी रेंज 750 किलोमीटर है। के-4 मध्यम दूरी तक मारक क्षमता वाली मीडियम रेंज बैलिस्टिक मिसाइल के-4 है जिसकी मारक क्षमता 3500 किलोमीटर है।

50 दिन तक पानी में रह सकता है अरिघात

खास बात ये है कि के-4 को जिस परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघात से लॉन्च किया गया है। वह लंबे समय तक समुद्र के अंदर रहकर काम कर सकती है। यह पनडुब्बी 50 दिन से अधिक समय तक पानी के अंदर रह सकती है। मतलब ये कि जासूसी उपकरणों की नजरों से बच कर आसानी से ये मूव कर सकती है। आईएनएस अरिघात 12-15 की संख्या में 700 किलोमीटर मार करने वाली के-15 सबमरीन लॉन्च बैलेस्टिक मिसाइलों और परमाणु क्षमता वाली निर्भया मिसाइलों को ऑपरेट कर सकती है। साथ ही छह टॉरपीडो भी लेकर डाइव लगा सकती है। भारत ने एटीवी प्रोजेक्ट के तहत कुल चार बैलेस्टिक मिसाइल न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन बनाने की योजना तैयार की थी जिसमें से दो सबमरीन अरिहंत और अरिघात आ चुकी हैं।

खबर संक्षेप

गिरफ्तारी वारंट पर अपील करेगा इजराइल

येरुशलम। इजरायल ने हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में एक नोटिस दायर कर इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के गिरफ्तारी वारंट के खिलाफ अपील करने का इरादा जताया है। पीएम कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इजराइल ने पिछले हफ्ते जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट में देरी करने का भी अनुरोध किया है। इजराइल ने बताया कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस तरह से निराधार था।

ट्रंप कैबिनेट में शामिल लोगों को मिलीं धमकियां

वॉशिंगटन। अमेरिकी में डोनाल्ड ट्रंप के कैबिनेट और प्रशासन के कई लोगों को बम धमाके कर निशाना बनाने की धमकी मिली है। सरकार की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि धमकियां मंगलवार रात और बुधवार सुबह दी गईं। धमकियां मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इस तरह की स्थितियों से निपटने के लिए सभी जरूरी उपाय किए गए हैं। न्यूयार्क से अमेरिकी प्रतिनिधि एलिस स्टेफनिक ने एक बयान में कहा कि उनका पारिवारिक घर निशाने पर था।

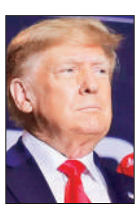

जम्मू-कश्मीर में 5.8 तीव्रता का भूकंप

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार शाम करीब 4.19 बजे भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई। झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों और दफ्तारों से बाहर निकल गए। कहीं से किसी प्रकार के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। बताया कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 36.49 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 71.27 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 165 किलोमीटर की गहराई पर था। गुरुवार को नागालैंड के किफिर में 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप सुबह करीब 7:22 बजे दर्ज किया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ लगातार हिंसा जारी

सरकार को हाईकोर्ट की फटकार, इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने से किया इनकार, कहा- दें सुरक्षा

1 हिंदू संगठन कृष्णा दास की रिहाई चाह रहे

2 इस्कॉन के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए

अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक और डिप्टी अटॉर्नी जनरल असद उद्दीन ने उच्च न्यायालय की पीठ को सूचित किया कि वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या और इस्कॉन की गतिविधियों के संबंध में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और इन मामलों में 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ लगातार जारी हिंसा के बीच वहां के उच्च न्यायालय ने गुरुवार को इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि सरकार कानून-व्यवस्था की स्थिति और बांग्लादेश के लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा के बारे में सतर्क रहेगी।

देशद्रोह के मामले में बांग्लादेश इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से ही हिंदू समुदाय के लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों के दौरान ही एक वकील की मौत हो गई, जिसके बाद बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना समाज (इस्कॉन) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

[कानून-व्यवस्था बनाए सरकार]

33 आरोपियों को गिरफ्तार किया

गुरुवार को जब उच्च न्यायालय की कार्यवाही शुरू हुई तो अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने न्यायालय द्वारा मांगी गई जानकारी न्यायमूर्ति फराह महबूब और न्यायमूर्ति देबाशीष रॉय चौधरी की पीठ के समक्ष रखी। पीठ ने जब इस्कॉन और बांग्लादेश में उसकी गतिविधियों का ब्योरा मांगा तो अटॉर्नी जनरल असदुज्जमां ने कहा कि सरकार पहले से ही उनकी जांच कर रही है। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक और डिप्टी अटॉर्नी जनरल असद उद्दीन ने उच्च न्यायालय की पीठ को सूचित किया कि वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या और इस्कॉन की गतिविधियों के संबंध में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और इन मामलों में 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बंद कराया इस्कॉन का शिबचर केंद्र

बांग्लादेश में इस्कॉन के शिबचर स्थित केंद्र को मुस्लिमों ने जबरन बंद करा दिया है। यही नहीं इस्कॉन के श्रद्धालुओं को सेना के जवान अपने वाहन में भरकर ले गए। इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राधारमण दास ने एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने एक वीडियो भी संलग्न किया जिसमें स्थानीय इस्लामी समूह के नेता शिबचर में इस्कॉन केंद्र को बंद करने की मांग कर रहे हैं। कुछ लोग इस अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था के संस्थापक की तस्वीर वाले इस्कॉन मंदिर के बोर्ड को हटाने में लगे हुए हैं।

सनातन धर्म के नेता की अविलंब रिहाई हो

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सनातन धर्म के एक वरिष्ठ नेता को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया है और उनकी अविलंब रिहाई होनी चाहिए। शेख हसीना ने असंवैधानिक तरीके से सत्ता में आए यूनुस सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि यह सरकार हत्यारों को सजा देने में विफल रहती है, तो उसे भी मानवाधिकार उल्लंघन के लिए दंडित किया जाएगा। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले चिंताजनक

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को पड़ोसी देश बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार और अंतर्राष्ट्रीय निकायों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह इस मामले पर टिप्पणी नहीं करना चाहतीं। क्योंकि यह दूसरे देश से संबंधित मामला है।

सीबीआई, एनआईए की बड़ी कामयाबी

रवांडा से लेकर आए लश्कर का 'खतरनाक' आतंकवादी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इंटरपोल के साथ मिलकर सीबीआई और एनआईए ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सदस्य का प्रत्यर्पण कराने में कामयाबी हासिल की है। आतंकी को रवांडा से भारत लाया गया है। बेंगलुरु में आतंकी गतिविधियों की वजह से उसके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के सदस्य सलमान रहमान खान ने बेंगलुरु में 2023 में आतंकी गतिविधियों के लिए हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की सप्लाई की थी। सीबीआई के ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर ने खान के प्रत्यर्पण के लिए एनआईए और इंटरपोल के साथ मिलकर काम किया। इससे लश्कर आतंकी को रवांडा से भारत लाया जा सका।

इंटरपोल ने की सहायता

सलमान खान रवांडा में मिला। सीबीआई ने रवांडा की राजधानी किगाली में इंटरपोल की मदद मांगी। एनआईए की सुरक्षा टीम 28 नवंबर 2024 को खान को भारत वापस ले आई। सीबीआई ने एनआईए के अनुरोध पर खान के खिलाफ 2 अगस्त 2024 को रेड नोटिस जारी करवाया था। यह दुनिया भर की एजेंसियों को भेजा गया था। हाल ही में इंटरपोल के साथ मिलकर सीबीआई और केरल पुलिस ने सऊदी अरब से दो आरोपियों को भारत लाया था। उनमें से एक बरकत अली खान पर 2012 में दंगे और विस्फोटक पदार्थों के इस्तेमाल के मामले में इंटरपोल का रेड नोटिस था। उसे 14 नवंबर को सऊदी अरब से लाया गया था। रायहान अरबिक्कलारिक्कल पर भी रेड नोटिस था। केरल के पट्टाम्बी पुलिस को उसकी तलाश एक नाबालिग के साथ बलात्कार और यौन अपराध के मामले में थी। उसे 10 नवंबर को सऊदी अरब से लाया गया था।

100 से ज्यादा अपराधी लाए गए

बता दें, सीबीआई भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में भारत में सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एलईए) के साथ मिलकर काम करती है। 2021 से अब तक इंटरपोल के माध्यम से 100 से ज्यादा अपराधी भारत लाए जा चुके हैं। इस साल ही 26 अपराधियों को वापस लाया गया है। खान का पकड़ा जाना आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी है। सलमान रहमान खान जैसे आतंकियों का प्रत्यर्पण आम लोगों के लिए एक सुकून की बात है। इससे आतंकियों के हौसले पस्त होंगे और वे अपनी गतिविधियों को अंजाम देने से पहले सोचेंगे। यह कार्रवाई भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

मॉस्को में कार्यसमूह की चौथी बैठक

भारत व रूस के बीच सैन्य संबंध सहयोग और अधिक होंगे मजबूत

▶▶ नई दिल्ली

भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण सैन्य सहयोग पर कार्य समूह की चौथी बैठक रूस के मॉस्को में आयोजित की गई। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक कार्य समूह ने रणनीतिक हित के क्षेत्रों में निरंतर रूप से ज्ञान-साझाकरण और सहयोग के महत्व पर बल दिया। दोनों सेनाओं के बीच परिचालन तालमेल को और मजबूत करने के लिए संयुक्त अभ्यासों का विस्तार करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह बैठक दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को निरंतरता देने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू ने की। वहीं, रूस की ओर से सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ (मुख्य परिचालन निदेशालय) के उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल डाइलेव्स्की इगोर निकोलाविच ने भी सह अध्यक्षता की।

सीरिया: कट्टरपंथी विद्रोहियों का हमला

89 लोगों की मौत, इनमें सैनिक शामिल, कई गांवों पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶ डमस्कस

हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) विद्रोही समूह और उसके सहयोगी गुटों ने अलेप्पो प्रांत के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों में सीरियाई सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया। बुधवार की झड़पों में 89 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एचटीएस और उसके समर्थक गुटों के 52 लड़ाके और सीरियाई सरकारी बलों के 37 सैनिक शामिल थे।

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि एचटीएस और अल-फतह अल-मुबीन ऑपरेशन रूम के गुटों ने ऑपरेशन शुरू होने के 12 घंटे से भी कम समय में 21 गांवों,

कस्बों और रणनीतिक स्थलों पर नियंत्रण कर लिया। पांच सीरियाई सैनिकों को एचटीएस ने बंधक बना लिया और हथियार डिपो, बख्तरबंद वाहन और भारी हथियार भी जब्त कर लिए। हमले के जवाब में, रूसी युद्धक विमानों ने अटारीब शहर के आसपास विद्रोही गुटों के ठिकानों पर वैक्यूम मिसाइलों का उपयोग करके हमले किए।

डीएसएससी में बोलीं राष्ट्रपति

आतंकवाद और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों के लिए रहें तैयार

▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के छात्र अधिकारियों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बदलते हुए भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। इस दौरान हमें न केवल राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखना है। बल्कि साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी नई राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों का सभी लोग सम्मान करते हैं। वह हमारे देश की सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सबसे आगे हैं। राष्ट्रीय हितों की लगातार रक्षा करने के लिए देश को हमारे रक्षा बलों पर गर्व है। रक्षाकर्मी जो हमेशा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सेवा करते हैं। वह उच्च प्रशंसा के पात्र हैं।

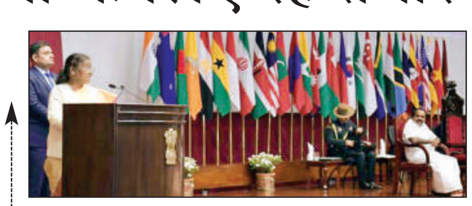

महिलाओं की बढ़ती भूमिका प्रेरणादायक

उन्होंने महिला अधिकारियों की तीनों सशस्त्र सेनाओं की विभिन्न इकाइयों में कमान संभालने पर खुशी जताते हुए कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत, भूमिका खासकर युवा लड़कियों के लिए उत्साहजनक और प्रेरणादायक है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सशस्त्र बलों में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद जताई। साथ ही विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम छात्र अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारियों और रणनीतिकारों के रूप में तैयार करेगा। जो जटिल परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम होंगे।

डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर सरकार सख्त, स्कैमर्स पर कसा शिकंजा

6.69 लाख सिम कार्ड और सवा लाख से अधिक फर्जी आईडी नंबर ब्लॉक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में डिजिटल अरेस्ट स्कैम बढ़ने के बीच सरकार ने स्कैमर्स पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1,32,000 आईएमईआई नंबर ब्लॉक किए हैं। देशभर में कई पीड़ितों ने ऐसे अपराधियों के जाल में फंस कर बड़ी मात्रा में धन गंवा रहें है।

यह एक संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध है और ऐसा माना जाता है कि इसे सीमा पार आपराधिक सिंडिकेट द्वारा संचालित किया जाता है। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि डिजिटल अरेस्ट और दूसरे साइबर अपराधों से बेहतर तरीके से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करते हुए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें

3,431 करोड़ रुपए की राशि बचाई

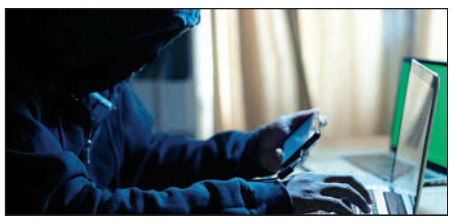

सोशल मीडिया पर जारी किए अलर्ट

आई4सी धोखेबाजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सिम कार्ड, मोबाइल उपकरणों और म्यूल खातों को ब्लॉक करने में भी मदद कर रहा है। उसने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'साइबरदोस्त' व अन्य पर विभिन्न अलर्ट भी जारी किए हैं। फर्जी कॉल आने पर नागरिकों को तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सहायता लेने के लिए बताया गया है।

9.94 लाख से अधिक शिकायतों का किया समाधान

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अब तक 9.94 लाख से अधिक शिकायतों में 3,431 करोड़ से अधिक की राशि बचाई गई है। सरकार और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने फर्जी भारतीय नंबर से आने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉलों की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक सिस्टम तैयार किया है। हाल ही में फर्जी डिजिटल अरेस्ट, फेडएक्स स्कैम, सरकारी और पुलिस अधिकारियों के रूप में कॉल आदि के मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय नकली कॉल की गई हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को इस तरह की आने वाली अंतरराष्ट्रीय नकली कॉलों को ब्लॉक करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

आई4सी की स्थापना की

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि गृह मंत्रालय ने देश में सभी तरह के साइबर अपराधों से निपटने के लिए 'इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) की स्थापना की है। फाइनेंशियल फ्रॉड की तत्काल रिपोर्टिंग और साइबर अपराधियों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए आई4सी के तहत 'सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम' की शुरुआत 2021 में की गई थी। आई4सी में एक साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी) स्थापित किया गया है, जहां प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटर्स, टीएसपी, आईटी मध्यस्थों और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि साइबर अपराध से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई और सहयोग के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

आईसीजी के बचाव अभ्यास की हुई शुरुआत

मंत्रालय, सेना, सशस्त्र बल सहित कई एजेंसियां शामिल

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड के तत्वावधान में गुरुवार से भारतीय तटरक्षक के राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास एवं कार्यशाला (एसएआरईएक्स) की शुरुआत केरल के कोच्चि में हुई।

दो दिन तक चलने वाले राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास के 11वें संस्करण का उद्घाटन रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का विषय 'क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना' रखा गया है। कार्यक्रम में इंडियन कोस्ट गार्ड डायरेक्टर जनरल एस. परमेश भी शामिल हुए। एसएआरईएक्स ने एक लोगो भी लांच किया। पहले दिन टेबल-टॉप अभ्यास, कार्यशाला और सेमिनार हुए जिसमें सरकारी एजेंसियों, मंत्रालयों तथा सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न हितधारकों और विदेशी प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। शुक्रवार को आकस्मिक हालात को शामिल करते हुए कोच्चि तट पर बड़े पैमाने पर दो समुद्री अभ्यास किए जाएंगे।

सीखते हुए कमाएं' योजना को मजबूत और सार्थक बनाने की जरूरत है...

प्रियंका सौरभ

सार्थक व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के लिए 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करना अनिवार्य है। यह दृष्टिकोण सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव को एकीकृत करता है, जिससे रोजगार क्षमता बढ़ती है। पर्याप्त समर्थन, उद्योग सहयोग और नीति समायोजन इसकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकते हैं, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की माँगों के साथ जोड़ सकते हैं और कुशल रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं....

'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी के व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ती है, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए वास्तविक दुनिया में काम करने का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी बाजार की माँगों के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाने के लिए यह दृष्टिकोण आवश्यक है।

पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में प्रशिक्षुओं के बीच मूल्यवान पर्यटन यात्रा कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने और उन्हें 'छात्र स्वयंसेवक' के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाने के लिए 'सीखते हुए कमाएँ' नामक एक योजना को लागू कर रहा है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले कॉलेज के छात्रों या 18 से 25 वर्ष की आयु के स्नातकों को लक्षित करती है। इसका उद्देश्य इन युवा व्यक्तियों को पर्यटन क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है, साथ ही साथ आय अर्जित करना भी है।

'सीखते हुए कमाएँ' योजना के महत्त्वपूर्ण पहलूः ₹सीखते हुए कमाएँ₹ योजना में कई महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल हैं जो इसे लाभकारी और प्रभावशाली बनाते हैं। इन पहलुओं में कौशल विकास शामिल है। यह योजना यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो ग्राहक सेवा, आतिथ्य और संचार जैसे क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाती है। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने का अवसर मिलता है, जो उनकी शिक्षा का समर्थन करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद कर सकता है। इस योजना के माध्यम से, प्रतिभागी छात्र स्वयंसेवकों के रूप में जुड़ते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अपने सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करते हैं।

प्रतिभागी पर्यटन उद्योग के भीतर संपर्क स्थापित करते हैं, पेशेवरों के साथ बातचीत करते हैं और भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करते हैं। यह योजना कॉलेज के छात्रों और युवा स्नातकों को कौशल और ज्ञान से लैस करके सशक्त बनाती है जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाती है और पर्यटन क्षेत्र में उपयुक्त नौकरियाँ हासिल करने की उनकी संभावनाओं को बढ़ाती है। इस योजना का उद्देश्य भारत में पर्यटन उद्योग के विकास और वृद्धि में योगदान देने में सक्षम एक कुशल और जानकार कार्यबल तैयार करना है।

'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुविधाजनक और मजबूत बनाती हैः ₹सीखते हुए कमाएँ₹ योजना विभिन्न तरीकों से व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को महत्त्वपूर्ण रूप से सुविधाजनक और मजबूत बनाती है जैसे यह योजना प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करती है, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति मिलती है। यह व्यावहारिक अनुभव उद्योग प्रथाओं की उनकी समझ को बढ़ाता है और आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करता है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं और मांगों के साथ संरेखित प्रशिक्षण प्राप्त हो। यह उद्योग-केंद्रित दृष्टिकोण व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण की प्रासंगिकता को बढ़ाता है, प्रतिभागियों को नौकरी के लिए तैयार बनाता है और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाता है।

यह योजना प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने में सक्षम बनाती है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा तक पहुँचने में वित्तीय बाधाएँ कम होती हैं। यह वित्तीय सहायता न केवल भागीदारी को प्रोत्साहित करती है, बल्कि व्यक्तियों को अपने कौशल विकास में सक्रिय रूप से निवेश करने के लिए भी प्रेरित करती है। व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग प्रदर्शन प्रदान करके, यह योजना प्रतिभागियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाती है। प्रतिभागी उद्योग-सम्बंधित कौशल और ज्ञान प्राप्त करते हैं, जिससे वे कार्यबल में प्रवेश करने और अपने चुने हुए क्षेत्र में सफल होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। यह योजना शैक्षणिक संस्थानों और यात्रा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है।

यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग के विशेषज्ञों के परामर्श से डिजाइन किए गए हैं, जिसमें उनकी अंतर्दृष्टि और आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग की जरूरतों के बीच संरेखण को मजबूत करता है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा अधिक प्रभावी और उद्योग के लिए तैयार हो जाती है। 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करना सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। यह योजना छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देती है, जो कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

अपनी शिक्षा जारी रखते हुए आय अर्जित करके, छात्र आंशिक रूप से या पूरी तरह से अपने शिक्षा व्यय का वहन कर सकते हैं। 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करने से कुशल श्रमिकों का उत्पादन करके कौशल अंतर को पाटने में योगदान मिलता है, जो नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ानाः यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और तकनीकी प्रगति के साथ अद्यतित रहती है, जिससे अंततः छात्रों और नियोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। यह योजना आजीवन सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देती है, क्योंकि छात्र नौकरी बाजार की लगातार बदलती मांगों के अनुकूल होते हैं।

'सीखते हुए कमाएँ' दृष्टिकोण छात्रों को सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से बेहतर ढंग से लैस कर सकता है। अंततः, यह एक अधिक कुशल, अनुकूलनीय और प्रतिस्पर्धी कार्यबल में योगदान देगा जो आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देता है। इसलिए, 'सीखते हुए कमाएँ' योजना व्यावहारिक अनुभव, उद्योग प्रासंगिकता, आय सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि, उद्योग के साथ सहयोग और कैरियर मार्ग अन्वेषण प्रदान करके व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुगम और मजबूत बनाती है। ये पहलू सामूहिक रूप से एक कुशल और नौकरी के लिए तैयार कार्यबल के विकास में योगदान करते हैं, जो भारत में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के विकास को बढ़ावा देते हैं।

संपादकीय

अब गाजा की बारी

इस्त्राइल और लेबनान के हिज्बुल्लाह के बीच साठ दिनों के युद्ध विराम समझौते की घोषणा हो गई है। समझौते से पश्चिम एशिया क्षेत्रमें शांति और स्थिरता की संभावना प्रबल हो गई है। करीब दो महीनों से हिज्बुल्लाह के खिलाफ इस्त्राइल के हमले तेज हो गए थे। हमलों में लेबनान में करीब 8700 लोग मारे गए और लाखों लोग बेघर हो गए। इस्त्राइली सैनिकों ने हिज्बुल्लाह के समूचे नेतृत्व को समाप्त कर दिया जिसमें उसका सर्वोच्च नेता हसन नसरुल्लाह भी शामिल था। लेकिन ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह ने पिछले दो महीनों से इस्त्राइल के उत्तरी हिस्से में रॉकेट दागने शुरू किए थे जिसमें वहां का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हजारों यहूदियों को विस्थापित होना पड़ा। स्थानीय अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई और बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। इसलिए युद्धरत दोनों पक्ष संघर्ष से बाहर निकलने और राहत की तलाश में थे। इस्त्राइल एक साथ कई मोर्चों पर लड़ाई लड़.रहा था। गाजा में उसका सैनिक अभियान चल रहा है। ईरान के साथ युद्ध कभी भी छिड़.सकता है। इस्त्राइल के सैनिक लगातार संघर्ष के बाद मानसिक थकान महसूस करने लगे हैं। मोर्चों पर संघर्ष जारी रखने के लिए इस्त्राइल को अतिरिक्त सैनिकों की जरूरत है, जो नहीं मिल पा रहे। हालांकि इस्त्राइल ने हिज्बुल्लाह और हमास की कमर तोड़.दी है। कहा जा सकता है कि उसने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। युद्ध विराम समझौते के बाद अब गाजा में युद्ध विराम समझौते और बंधकों की रिहाई में मदद मिल सकती है जो समस्या की जड़.है। वास्तविकता है कि इस्त्राइल को अपनी सुरक्षा का पूरा अधिकार है, लेकिन सवाल है कि हमास जैसे आतंकी संगठन की अमानवीय कार्रवाई के लिए क्या गाजा की समूची आबादी को दंड़ित करना उचित है। इस सवाल पर इस्त्राइल के नेतृत्व को गंभीरता से विचार करना चाहिए नहीं तो युद्ध अनवरत चलता रहेगा और न इस्त्राइल सुरक्षित रह पाएगा और न ही फिलिस्तीन खत्म होगा। इसलिए इस्त्राइल को गाजा में शांति स्थापित करने के लिए आगे आने की जरूरत है। भारत ने इस्त्राइल-हिज्बुल्लाह के बीच युद्धविराम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत हमेशा से संयम बरतने और संकट के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति में विश्वास करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस युद्ध विराम समझौते सें गाजा को शामिल किए बगैर कहना मुश्किल है कि यह समझौता कितना टिकाऊ होगा।

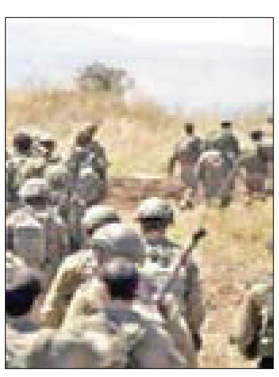

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

चिन्मय दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में मंदिरों पर बढ़ते हमले चिंता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश सरकार में हिन्दुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद भी चरमपंथी रुकने को तैयार नहीं हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एक और मंदिर पर हमला किया गया है। ताजा मामले में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के बीच चटगांव के तीन हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया। जिसके बाद बांग्लादेश में जारी झड़प ने हिंसक रूप ले लिया। अभी जिन तीन मंदिरों को निशाना बनाया गया है उनमें चटगांव के फिरंगी बाजार में लोकनाथ मंदिर, मनसा माता मंदिर और हजारी लेन में काली माता मंदिर शामिल हैं। यह घटना बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा का भाग है, जो कि पांच अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से अत्यंत खतरनाक स्तर तक बढ़ गई है। हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ ये उग्र विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुए जब हिंदुओं ने इस्लामिक कट्टरपंथियों की ओर से किए गए संगठित हमलों के जवाब में बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन शुरू किए। यह विरोध प्रदर्शन धार्मिक और सामाजिक संगठन इस्कॉन की ओर से आयोजित किए गए थे, जिसके अनुयायी दुनिया भर में फैले हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन को देखते हुए ढाका हवाई अड्डे पर प्रमुख हिंदू नेता और इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को हिरासत में ले लिया गया।

भारत सरकार ने हिंदू धार्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं दिए जाने के मामले पर गहरा रोष जताया। साथ ही पड़ोसी देश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के नहीं थमने का मुद्दा भी पुरजोर तरीके से उठाया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से आह्वान किया है कि वह हिंदुओं समेत हर तरह के धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। भारत सरकार पिछले दो महीनों के दौरान कई बार ऐसे आग्रह कर चुकी है, लेकिन जब से शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किया गया है तब से हिंदुओं के उत्पीड़न का मामला बढ़ता जा रहा है। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद युनूस इस बारे में उल्टा भारत पर ही आरोप लगाते रहे हैं कि हिंदुओं पर हमले के मुद्दे को भारतीय मीडिया बढ़ा-चढ़ा कर बता रहा है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और उनको जमानत नहीं दिए जाने के घटनाक्रम को लेकर हमें गहरी चिंता है। यह घटना हिंदुओं व दूसरे अल्पसंख्यकों पर हुए कई हमलों के बाद सामने आई है। अल्पसंख्यकों के घरों और उनके कारोबार को तबाह करने, लूटने, मंदिरों में मूर्तियों को खंडित करने आदि घटनाओं के ठोस साक्ष्य हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में राजधानी ढाका और चटगांव समेत कई जगहों पर लोग सडकों पर उतरे और उनकी रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले दागे गए। एक वकील की मौत भी हो गई। एक अदालत ने चिन्मय को जमानत देने से इन्कार कर दिया। उनको देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद ने बताया कि हिंदुओं के साथ-साथ ईसाइयों और बौद्धों के खिलाफ हत्या, छेड़छाड़ और अपहरण समेत हमलों की 2010 घटनाएं हुई हैं। बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता एवं इस्कान ट्रस्ट के सचिव रहे चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के खिलाफ प. बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी भाजपा विधायकों ने चिन्मय दास की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर विधानसभा परिसर से विरोध मार्च निकाला और उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए मुख्य गेट के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी की। इस दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा की और उन्हें बिना शर्त शीघ्र रिहा करने की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार को पेट्रापोल सीमा के जरिए सभी तरह के व्यापार और आवाजाही को ठप करने की कड़ी चेतावनी दी।

बांग्लादेश में आये राजनीतिक बदलाव के कारण वहां के हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन से वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला हो गया है और वर्तमान सरकार की विदेशी नीति में आये परिवर्तन के कारण सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से बांग्लादेश के पाकिस्तान के साथ काफी अच्छे संबंध हो गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं और भारत के विरुद्ध जो हो रहा है या कहा जा रहा है उसके पीछे पाकिस्तान ही है और पाकिस्तान के पीछे चीन है। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए भारत को अपनी विदेश नीति के साथ-साथ अपनी आर्थिक व राजनीतिक नीतियों पर भी समयानुसार परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश तीनों देश भारतीय सीमाओं पर और भारत के भीतर भी समस्याएं बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। भारत को अति सतर्क होकर चलने की आवश्यकता है। तत्काल रूप से तो बांग्लादेशी हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना ही भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। बांग्लादेश की सरकार के साथ संपर्क कर अपना रोष प्रकट करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचारों को उठाना चाहिए। वर्तमान परिस्थितियों को सम्मुख रखते हुए भारत को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा चीन के साथ संबंधों को लेकर भी पुनः विचार करने की आवश्यकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

रैगिंग : सख्त कानून के बावजूद नाउम्मीदी

योगेश कुमार गोयल

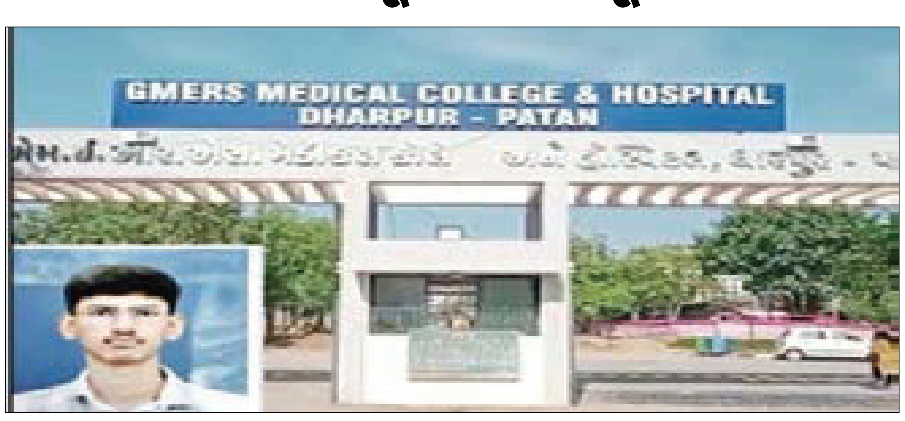

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है।

पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिकझ्रशारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है।

अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है।

कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य, अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है। एक विद्यार्थी कितने सपने संजो कर कॉलेज की दहलीज पर पहला कदम रखता है, और उससे भी अधिक उसके माता-पिता या अभिभावकों की आशाएं और अरमान उससे जुड़े होते हैं किंतु रैगिंग रूपी दानव एक ही झटके में उन सपनों, आशाओं और अरमानों पर भारी पड़ जाता है। रैगिंग जिस प्रकार छात्रों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करने की बजाय आपराधिक प्रवृत्ति को जन्म दे रही हैड्ड ऐसे में राज्य सरकारों और कॉलेज प्रशासन को समय रहते जागना होगा। जरूरत इस बात की है कि रैगिंग में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं।

संभल हिंसा पर पुलिस की कार्रवाई तेज

मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक धराया, चौराहों पर लगे पोस्टर

अब तक 27 लोगों को किया गिरफ्तार, 7 एफआईआर दर्ज की

एजेंसी ▶▶ संभल

यहां हिंसा में पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में फरहत को गिरफ्तार किया है। अब तक 27 गिरफ्तारियां और सात एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। पुलिस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस ने कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संभल में 24 नवंबर को हुए पथराव और हिंसा के मामले में पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान फरहत के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

3 नाबालिगों की संलिप्तता की पुष्टि

मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बुधवार को पुष्टि की कि इस घटना में तीन नाबालिग भी शामिल थे। यह हिंसा मस्जिद पर किए गए सर्वे के दौरान हुई।

2 महिलाएं भी अरेस्ट: पुलिस ने हिंसा के संबंध में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 25 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। घटना को लेकर सात एफआईआर दर्ज की गई हैं।

हिंसा में शामिल कोई भी नहीं बचेगा : पुलिस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता जैन को मिल रहीं धमकियां

इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया था कि हिंसा के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, एसपी मीडिया सेल और ज्ञानवापी मस्जिद समिति के सचिव पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। जैन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मौके पर कोई नारेबाजी नहीं की और एएसआई सर्वे के बाद पुलिस के संरक्षण में वहां से लौटे थे। मेरे खिलाफ आरोप सही नहीं हैं।

पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए पत्थरबाजी की घटना के बाद संभल पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। अतिरिक्त एसपी श्रीशचंद ने कहा कि हमने सुरक्षा को सख्त किया है और आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हम सभी कार्यक्रमों को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल हिंसा का कोई संकेत नहीं है और कल शाही जामा मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी।

पथराव करने वालों को नहीं छोड़ेंगे: एडीजी

हिंसा में शामिल उपद्रवियों को चिह्नित कर पुलिस ने उनके पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी कर दिए हैं। उपद्रवियों से ही नुकसान की वसूली भी की जाएगी। एडीजी रमित शर्मा ने लोगों के साथ बैठक करते हुए कहा क निर्दोष लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

बर्क के पिता बोले प्रशासन ने कराई हिंसा

सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलुकुर्रहमान बर्क ने बवाल का जिम्मेदार पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों को बताया है। उन्होंने कहा कि भीड़ को पुलिस प्रशासन द्वारा उकसाया गया। इसके बाद ही भीड़ उग्र हो गई।

खबर संक्षेप

दिल्ली में जापानी इंसेफेलाइटिस का केस

नई दिल्ली। दिल्ली में जापानी इंसेफेलाइटिस का पहला मामला सामने आया है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिला स्वास्थ्य अधिकारियों और महामारी विज्ञानियों को लार्वा स्रोत में कमी सहित वेक्टर नियंत्रण उपायों को तेज करने और जापानी इंसेफेलाइटिस की रोकथाम के लिए जागरूकता का निर्देश दिया है।

आयुष्मान लागू करने दिल्ली सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली में रहने वाले बुजुर्गों को केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना लागू करने की मांग पर सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को करने का आदेश दिया। कोर्ट ने दिल्ली में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी।

ट्रेन में चढ़ते वक्त युवक फिसला, दोनों पैर कटे

कानपुर। यूपी के कानपुर में एग्जाम देकर लौट रहा एक अभ्यर्थी चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में फिसल गया और प्लेटफार्म व रेलगाड़ी के बीच फंस गया। उसके दोनों पैर कट गए। आरपीएफ ने युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर है। बुधवार रात को दिल्ली से रांची जा रही राजधानी एक्सप्रेस के कानपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म- 5 पर हादसा हुआ।

कांस्टेबल की हत्या की कोशिश, 18 पर केस

गाजीपुर। यहां के नंदगंज थाने में चंदौली से संबंधित 18 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिसकर्मियों के खिलाफ ये मामला सीजेएम कोर्ट के आदेश पर दर्ज किया गया है।मामला चंदौली जिले के मुगलसराय थाने में वसूली से जुड़ा है। यहां कांस्टेबल अनिल कुमार सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। हर महीने 12. 50 लाख की वसूली होती थी।

आतिशी ने 'इलेक्ट्रिक वाहन नीति' बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए हैं। इनमें दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति को अगले साल मार्च तक बढ़ाया गया है। अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम लिमिटेड के कर्मचारियों को बकाया वेतन देने के लिए 17 करोड़ रुपए के अनुदान को मंजूरी दी गई है। गुरुनानक आई सेंटर में ऑप्टोमेट्री ट्रेनिंग विंग शुरू करने का निर्णय लिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा दिल्ली के स्कूलों में जारी रहेगा हाइब्रिड सिस्टम

2 तक जारी रहेगा ग्रैप-4 सिस्टम, हटाने के लिए सीएक्यूएम जल्द रिपोर्ट पेश करे

अधिकारियों को फटकारा, पाबंदियों को सही तरीके से लागू करने में 'पूरी तरह विफल' रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के स्कूलों में अभी हाइब्रिड सिस्टम जारी रहेगा। इसके साथ ही कोर्ट ने ग्रैप-4 हटाने को लेकर सीएक्यूएम को 2 दिसंबर तक रिपोर्ट देने के लिए आदेश दिया है।

अब इस मामले पर अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 'कोर्ट कमिश्नर' की रिपोर्ट से पता चलता है कि अधिकारी जीआरएपी के चरण चार के तहत पाबंदियों को सही तरीके से लागू करने में 'पूरी तरह विफल' रहे हैं। अपने अधिकारियों को निर्देश दे कि वे किसानों को उपग्रह की नजर से बचने के लिए शाम चार बजे के बाद पराली जलाने की सलाह न दें। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय में पटाके पर प्रतिबंध के विषय में भी सुनवाई हुई।

'कोर्ट कमिश्नर' की रिपोर्ट का दिया हवाला

वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में

दिल्ली में बृहस्पतिवार को सुबह प्रदूषण का स्तर थोड़ा बढ़ गया और वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसा, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को सुबह नौ बजे यह 301 था। राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की मोटी परत छाई रही।

पटाखे प्रतिबंध पर भी करेंगे सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि स्कूलों से संबंधित उपायों को छोड़कर जीआरएपी के चरण चार के तहत सभी पाबंदियां दो दिसंबर तक लागू रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सोमवार को कई आदेश पारित करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। हम चीजों को तार्किक निष्कर्ष पर ले जाना चाहते हैं और पराली जलाने पर प्रतिबंध का सख्त क्रियान्वयन चाहते हैं। साल भर के पटाखे प्रतिबंध पर भी फैसला लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम कोर्ट कमिश्नरों की नियुक्ति जारी रखते हैं। कोर्ट कमिश्नरों के इस सुझाव को स्वीकार करते हैं कि दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग कोर्ट कमिश्नरों के काम को सुविधाजनक बनाने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा।

कोई अन्य अपवाद स्वीकार्य नहीं

कोर्ट ने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि जहां तक ग्रैप-4 का सवाल है, निम्नलिखित श्रेणियों को छोड़कर ट्रक यातायात के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध है। आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रक, आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले ट्रक, सभी एलएनजी, सीएनजी, इलेक्ट्रिक, बीएसवीआई डीजल ट्रक। चरण 4 के खंड 1 के तहत कोई अन्य अपवाद स्वीकार्य नहीं है। इसलिए यदि किसी प्राधिकरण ने कोई निर्देश जारी किया है जो उपरोक्त के विपरीत है, तो वह प्रवेश बिंदुओं पर तैनात पुलिस और अन्य कर्मचारियों को बाध्य नहीं करेगा।

पंजाब सरकार को लगाई फटकार

अफसर किसानों को न दें दिमाग कि 4 बजे के बाद जलाएं पराली

पीठ ने पंजाब सरकार को भी फटकार लगाई और कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट कहती है कि राज्य के अधिकारी किसानों को कह रहे हैं कि वे शाम को 4 बजे के बाद पराली जलाएं। ऐसा करने से वे सैटेलाइट की नजर में नहीं आएंगे। बेंच ने कहा कि ऐसा करना गलत है और अदालत के आदेश की अवमानना है। अदालत ने कहा कि हमें पलूशन से निपटने के लिए कोई स्थायी समाधान ही निकालना होगा। बेंच ने कहा कि पंजाब सरकार अपने अधिकारियों को आदेश दे कि वे किसानों को ऐसी सलाह न दें कि 4 बजे के बाद पराली जलाई जा सकती है। ऐसा करना आदेश का उल्लंघन है। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे आदेश का पालन करें। इसकी बजाय यदि वे पराली जलाने के लिए किसानों को दिमाग दे रहे हैं तो यह गलत बात है।'

एक्शन लेने में कोताही न करें, 24 घंटे हो मॉनिटरिंग

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई में हम पराली जलाने, ट्रकों की एंट्री और पटाखों पर बैन को लेकर विचार करेंगे। अदालत ने कहा कि हमारे पास एक ऐसी मशीनरी होनी चाहिए, जिससे यह डेटा मिल सके कि कौन कब पराली जला रहा है? यह मॉनिटरिंग 24 घंटे की होनी चाहिए। यह एक गंभीर समस्या है और इसी के चलते पलूशन बढ़ता जा रहा है। पंजाब समेत संबंधित राज्य इस पर रोक लगाने में बहुत धीरे एक्शन ले रहे हैं।

यूपी डीजीपी पर भड़के जज सूर्यकांत

पावर का मजा न लें, ऐसा आदेश दूंगा कि याद रखेंगे

इसके पहले एक याची के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से किया था इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस सत्ता का आनंद ले रही है और संवेदनशील होने की जरूरत है। कोर्ट ने ये चेतावनी भी दी कि अगर याचिकाकर्ता को छुआ भी तो ऐसा कोई कठोर आदेश पारित करेंगे कि जिंदगीभर याद रहेगा। यह मामला याचिकाकर्ता अनुराग दुबे का है, जिन पर अलग-अलग कई मामले दर्ज हैं।

उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन वे पेश नहीं हुए, जिसे लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने सवाल उठाए हैं। कोर्ट का कहना है कि हो सकता है कि याचिकाकर्ता को ये डर है कि जांच के दौरान उस पर कोई और मामला दर्ज न कर दिया जाए। इससे पहले कोर्ट ने दुबे के खिलाफ एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया था। अनुराग के खिलाफ 323, 386, 447, 504 और 506 के तहत एएफआईआर दर्ज हैं।

यूपी पुलिस के वकील को दी चेतावनी

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुईयां की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही थी। सुनवाई करते हुए कोर्ट को इस बात पर गुस्सा आ गया कि उत्तर प्रदेश पुलिस याचिकाकर्ता पर एक के बाद एक कई एफआईआर दर्ज कर रही है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यूपी पुलिस एक खतरनाक एरिया में घुस रही है और अपनी पावर का इस्तेमाल करके वह मजे ले रही है। कोर्ट ने यूपी पुलिस के वकील से यह भी कहा कि अपने डीजीपी को बता देना कि कोर्ट ऐसा कठोर आदेश पास करेगा कि वे जिंदगी भर याद रखेंगे।

तेजतर्रार वकील था, अनुभव ने बदला

जस्टिस सूर्यकांत ने अपने जीवन से जुड़े कई पहलुओं का साझा किया। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि जब वे वकील के तौर पर काम करते थे, तो उस वक्त वो किस तरह के वकील थे? उन्होंने यह भी बताया कि दिवालियापन के क्षेत्र में मध्यस्थता किस प्रकार काम करती है? जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब वे वकील थे, तब उनका मध्यस्थता में विश्वास नहीं था, लेकिन जज बनने के अनुभव ने मुझे बदल दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ उन्हें यह अहसास हुआ कि विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता एक प्रभावी साधन है।

विधेयक के निहितार्थों पर गहराई से विचार किया जाएगा

वक्फ बिल के लिए जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा, फिलहाल नहीं आएगा यह विधेयक

2025 के बजट सत्र के अंतिम दिन तक मिली मोहलत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद ने वक्फ विधेयक के मूल्यांकन का काम कर रही संयुक्त संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने पर सहमति जताई है। पहले 29 नवंबर, 2023 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समयसीमा निर्धारित की गई थी। अब यह समयसीमा 2025 के बजट सत्र के अंतिम दिन तक बढ़ा दी गई है। यह विस्तार चर्चा और विधेयक के निहितार्थों पर गहराई से विचार करने के लिए बढ़ाई गई है।

जेपीसी प्रमुख ने लोकसभा में प्रस्ताव रखा

समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने लोकसभा में रिपोर्ट प्रस्तुत करने में देरी का प्रस्ताव रखा, जिसे संसद द्वारा मंजूरी दे दी गई। पाल ने दावा किया कि रिपोर्ट लगभग तैयार है। लेकिन, विपक्षी सदस्यों ने इसे अंतिम रूप देने के लिए अधिक समय की मांग की थी।

विपक्ष के हंगामे पर रिजिजू ने नाराजगी जताई

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के आचरण की कड़ी आलोचना की। उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा प्रस्ताव पारित होने के दौरान किए गए हंगामे पर नाराजगी व्यक्त की। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अराजकता फैलाई और नियमों का उल्लंघन किया।

जजों से 'संपत्ति विवरण' मांगने की योजना नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा को बताया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों से उनकी संपत्ति के विवरण को सार्वजनिक करने के लिए कोई नया कानून लाने की योजना नहीं है, जैसा कि एक संसदीय समिति ने सिफारिश की थी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लिखित जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की संपत्ति का विवरण केंद्र सरकार के पास नहीं रखा जाता है।

यमुना तट पर 12 ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृतियां

प्रयागराज। कार्यकर्ता गुरुवार को प्रयागराज में आगामी कुंभ मेला 2025 उत्सव के लिए यमुना नदी के तट पर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों की प्रतिकृतियां बना रहे हैं।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आज, साथी दलों को एक मंच पर लाएंगे

ईवीएम हटाने देशव्यापी मुहिम पर लग सकती है मुहर

▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस अब ईवीएम मसले को सांगठनिक स्तर पर बड़े पैमाने पर उठाने की तैयारी कर रही है। शुक्रवार को प्रस्तावित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्लूसी) की बैठक में एकसुर से ईवीएम से चुनाव की मुखालिफत को औपचारिक जामा पहनाया जाएगा। देशभर के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के माध्यम से घर घर, गांव गांव ईवीएम से चुनाव क्यों नहीं होना चाहिए, इस अलख को जगाने की कोशिश होगी। प्रस्ताव पारित होने के बाद इंडी के बाकी दलों को एक मंच पर लाने की कवायद होगी।

घर-घर और गांव-गांव अलख जगाने की कोशिश करेंगे

हरियाणा और महाराष्ट्र में हार पर भी होगी चर्चा

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर भी विस्तार से विमर्श किया जाएगा। दोनों राज्यों के चुनावी परिणाम कांग्रेस की उम्मीद के बिल्कुल उलट आए हैं। जिसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा द्वारा ईवीएम से कथित छेड़छाड़ को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन पर भी सीडब्ल्यूसी द्वारा चर्चा किए जाने की संभावना है।

उदयपुर अधिवेशन में भी की थी चर्चा

राहुल गांधी के पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद 2018 के पूर्ण अधिवेशन में ईवीएम के खिलाफ सीडब्लूसी में प्रस्ताव पारित किया गया था। 2022 के उदयपुर नव संकल्प घोषणापत्र में भी बैलेट पेपर से चुनाव करने का जिक्र किया गया था। मजे की बात ये है कि कांग्रेस पार्टी जो ईवीएम से चुनाव कराने के लिए ईवीएम लेकर आई आज वही ईवीएम गले की फांस बनता दिख रहा है।

लोकसभा में जीते, पर...

सीडब्लूसी के एक वरिष्ठ सदस्य ने 'हरिभूमि' से बातचीत में कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजे जमीनी हकीकत से बिल्कुल विपरीत हैं। हरियाणा में पार्टी को 60 सीटों पर जीत का अनुमान था, आई महज 37। महाराष्ट्र में एमवीए गठबंधन को 160 सीटों की उम्मीद थी, मिली केवल 56 सीटों पर जीत। वैसे ही गुजरात चुनाव में हमें 65 सीटों की उम्मीद थी, लेकिन हमें सिर्फ 17 सीटें मिलीं और भाजपा ने तगड़ी सत्ता विरोधी लहर के बावजूद रिकॉर्ड बहुमत से जीत दर्ज की। नांदेड लोकसभा में कांग्रेस जीती, लेकिन विधानसभा चुनाव में नांदेड की सभी विस सीटों पर हार गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शराब की लूट

बिखरी पड़ी थीं महंगी बोतलें, कार की डिग्गी में भर ले गए लोग

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में जाजरू गांव के सामने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात के बाद शराब की बोतलों से लदा हुआ केंटर पलट गया। इस दौरान चालक व परिचालक पलटे हुए केंटर को छोड़कर भाग गए।

वहीं, पुलिस ने चालक और परिचालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया कि केंटर के अंदर से पेटी बाहर सड़क पर गिर गई। इनमें शराब की काफी बोतलें टूट गईं तो काफी सड़क पर इधर-उधर बिखर गई। यह देख वहां से गुजरने वाले वाहन चालक रुक गए। वाहन चालकों ने जमकर बोतलों की लूट मचाई। जिस पर जितनी चली, वह उतनी बोतलें ले गया। किसी ने बाइक की डिग्गी तो किसी ने अपनी कार में बोतलें रखी। शराब की बोतले ले जाने वालों का मचा आ गया, क्योंकि उन्हें फ्री में कई दिनों के लिए शराब पीने को मिल गई। खास बात यह है कि ये महंगी शराब की बोतलें हैं।

E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com

लिवरपूल की लगातार 5वीं जीत, रियल मैड्रिड को हराया

एजेंसी ▶▶| लिवरपूल

चैंपियंस लीग

एलेक्सिस मैक एलिस्टर और कोडी गाकपो के गोल के दम पर लिवरपूल ने यूएफ चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। लिवरपूल की इस जीत में गोलकीपर कोइमहिन केलहर और रक्षापंक्ति के युवा खिलाड़ी कोनोर ब्रैडली ने भी प्रभावी योगदान दिया।

इस हार के बाद मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में दो जीत से छह अंक के साथ 25वें पायदान पर है। टीम की यह पांच मैचों में तीसरी हार है। केलहर ने मैच के 61वें मिनट में रियल मैड्रिड के दिग्गज किलीयन एमबापे की पेनल्टी कीक का शानदार बचाव किया जबकि 21 साल के ब्रैडली ने मैच के दूसरे हाफ में फ्रांस के इस खिलाड़ी को गोल करने के मौका बनाने से दूर रखा। ब्रैडली का एमबाप्पे को शानदार तरीके से किया गया टैकल करना सोशन मीडिया पर वायरल हो गया। मैड्रिड की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है और टीम 15 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पायदान पर है।

3-2 से जीता बेनफिका

लीग के अन्य मैचों में बेनफिका ने मोनाको को 3-2 से हराया। मोनाको के पास इस मैच को जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका था लेकिन टीम पांच मैचों में 10 अंक के साथ आठवें पायदान पर है। बोरुसिया डॉर्टमंड ने डाइनेमो जगरेब को 3-0 से शिकस्त दी जबकि पीएसवी आइंडहोवन ने मैच के 87वें मिनट तक 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की।

महिला प्रीमियर लीग : 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी छोटी नीलामी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महिला प्रीमियर लीग 2025 सीज़न की छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। टीम बनाने के लिए पांचों फ्रैंचाइज़ी के पास इस साल 15 करोड़ का बजट होगा, जो पिछले साल 13.5 करोड़ था। छोटी नीलामी में इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट, न्यूज़ीलैंड की तेज़ गेंदबाज़ लिया ताहुहु, वेस्टइंडीज़ की ऑलराउंडर ड्रिएंड्रा डॉटिन कुछ बड़े अंतर्राष्ट्रीय नामों में से एक होंगे। वहीं भारतीयों में स्नेह राणा, लेग स्पिनर पूनम यादव और बल्लेबाज़ वेदा कृष्णमूर्ति होंगी। 2023 और 2024 सीज़न की रनरअप दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मेग लैनिंग के पास है और इनके पास सबसे छोटा 2.5 करोड़ का बजट है। वहीं पिछले दो सीज़न में सबसे नीचे रहने वाली गुजरात जायंट्स के पास सबसे अधिक 4.4 करोड़ का पर्स है। उन्होंने अपनी टीम से सात खिलाड़ी बाहर किए हैं और वे नई टीम बनाने को देख रहे हैं। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास भारत की उप्तान स्मृति मांधना और न्यूज़ीलैंड की T20 विश्व कप विजेता कप्तान सोफ़ी डिवाइन हैं, उन्होंने भी सात खिलाड़ी रिलीज किए हैं। आरसीबी के पास 3.25 करोड़ का बजट है। तीसरे सीज़न में पांच टीम फ़रवरी-मार्च 2025 के बीच तीन सप्ताह में खेलेंगी। जबकि 2026 में जनवरी-फ़रवरी में टूर्नामेंट होगा।

खबर संक्षेप

गुकेश ने डिंग लिरेन पर बनाई मानसिक बढ़त

सिंगापुर। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। अठारह साल के गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैम्पियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की। क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैम्पियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के वेबस्टर टेस्ट टीम में शामिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए हरफनमौला ब्यू वेबस्टर को चोटिल मिचेल मार्श के विकल्प के रूप में टीम में शामिल किया है। पांच मैचों की इस श्रृंखला में पर्थ में खेले गए शुरुआती टेस्ट के दौरान मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। मार्श की तरह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर वेबस्टर ने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है लेकिन पिछले दो वर्षों में शेफील्ड शील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पांच शतक और नौ अर्धशतक की मदद से 1788 रन बनाए हैं।

वेस्टइंडीज टीम की कमान संभालेंगे हीली

सेंट जोंस। ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज अगले महीने भारत दौरे के दौरान 15 सदस्यीय वेस्टइंडीज महिला टीम की अगुवाई करेंगी। वेस्टइंडीज की महिला टीम इस दौरे पर तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 15 दिसंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में शुरू होगी।

टीम : हेली मैथ्यूज (कप्तान), शेमाइन कैंपबेल (उप-कप्तान), आलिया एलेने, शमिलिया कॉनेल, नेरिसा क्राफ्टन, डिएंड्रा डॉटिन, एफी फ्लेचर, शबिका गजनबी, चिनेले हेनरी, जाएदा जेम्स, कियाना जोसेफ, मैंडी मुंगसर, अश्मिनि मुनिसर, करिश्मा रामहरैक, राशदा विलियम्स।

गर्ग के इस्तीफे के बाद आईजीयू चुनाव स्थगित

नई दिल्ली। निर्वाचन अधिकारी ओपी गर्ग के इस्तीफे के बाद 15 दिसंबर को होने वाले भारतीय गोल्फ संघ के चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए गए। गुरुवार को संचालन परिषद के सदस्यों को भेजे गए ईमेल में आईजीयू के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने चुनाव को स्थगित करने के लिए 'अपरिहार्य परिस्थितियों' का हवाला दिया। सिंह ने लिखा, 'हमारे नियंत्रण से बाहर की अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण 15 दिसंबर 2024 को निर्धारित आईजीयू की वार्षिक आम बैठक और चुनाव स्थगित करना आवश्यक हो गया है।'

आईसीसी बोर्ड की बैठक आज

चैंपियंस ट्रॉफी : 'हाइब्रिड' मॉडल पर होगी चर्चा, पीसीबी को स्वीकार नहीं

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की शक्तिशाली बोर्ड की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुख्य चर्चा होगी। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को बता दिया है वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड' मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, 'इस समय 'हाइब्रिड' मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेंगे। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है।'

बड़े पैमाने पर होगा वित्तीय नुकसान

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक 'जियो स्टार' ने पहले ही आईसीसी के शीर्ष अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में अंतिम निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन यह समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।

2008 से पाक नहीं गया भारत

भारत ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, जिसमें 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे। आईसीसी ने भी कई बार कहा है कि वह वह किसी भी सदस्य बोर्ड से सरकार की सलाह के विरुद्ध जाने की अपेक्षा नहीं करता है। पाकिस्तान की स्थिति देश में जारी मौजूदा राजनीतिक विरोध से और कमजोर हुई है।

पीसीबी मेजबानी पर अड़ा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को सूचित किया कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' स्वीकार नहीं करेगा। पीसीबी ने साथ ही विश्व संचालन संस्था से शुक्रवार को होने वाली बोर्ड बैठक में विकल्प पर चर्चा नहीं करने के लिए कहा है। भारत के पाकिस्तान में टूर्नामेंट में खेलने के लिए अपनी टीम भेजने से इनकार कर दिया है जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम संबंधित उलझन सुलझान के लिए आईसीसी ने कार्यकारी सदस्यों की वर्चुअल बैठक बुलाई है।

बाबर की टीम में होगी वापसी

कराची। पूर्व कप्तान बाबर आजम के अलावा फखर जमां, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए राष्ट्रीय एकदिवसीय टीम में वापसी करने की उम्मीद है। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए जल्द ही टीमों की घोषणा करने की उम्मीद है जहां राष्ट्रीय टीम को तीन एकदिवसीय, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट खेलने हैं।

बैडमिंटन

सैयद मोदी : सिंधू और लक्ष्य की दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां कड़े मुकाबले में हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा। सिंधू अगले दौर में चीन की दुनिया की 118वें नंबर की खिलाड़ी डाइ वैंग से भिड़ेंगी। वैंग ने दूसरे दौर में भारत की देविका सिहाग को 19-21, 21-18, 21-11 से हराया। शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने हालांकि पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में इजराइल के दानिल डुबोवेंको के खिलाफ सीधे गेम में 35 मिनट में 21-14, 21-13 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में मेइराबा लुवांग के खिलाफ खेलेंगे जिन्होंने आयरलैंड के छठे वरीय एनहाट एनगुएन को 21-15 21-13 से हराया।

आयुष की आसान जीत

पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के होह जस्टिन को 21-12, 21-19 से हराया जबकि तीसरे वरीय किरण जॉर्ज को जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 21-19, 20-22, 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत के दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भी वियतनाम के ली डुक फाट को 21-15, 21-8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिला एकल में भारत की 17 साल की गैरवरीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने दूसरे दौर में उलटफेर करते हुए थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइकीवोंग को 46 मिनट में 21-18, 22-20 से हराया। दूसरी वरीय मालविका बंसोड़ को हालांकि 17 वर्षीय हमवतन भारतीय श्रीयांशी वलिशेट्टी के खिलाफ 12-21, 15-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दुनिया की पूर्व नंबर एक जूनियर खिलाड़ी तस्नीम मीर ने भी हमवतन अनुपमा उपाध्याय को 21-15 13-21 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

क्रिकेट

श्रीलंका सिर्फ 42 रन पर ढेर मार्को ने झटके सात विकेट

एजेंसी ▶▶| डरबन

दक्षिण अफ्रीका ने मार्को यानसेन (सात विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां किंग्समीड में श्रीलंका को टेस्ट क्रिकेट में उसके न्यूनतम 42 रन के स्कोर पर समेट दिया।

इससे पहले श्रीलंका का न्यूनतम स्कोर पाकिस्तान के खिलाफ कैंडी में 20 साल पहले का है जिसमें टीम महज 71 रन पर ढेर हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट के दूसरे दिन श्रीलंका को पहली पारी में केवल 83 गेंद (13.5 ओवर) में आउट कर दिया। 100 साल में इतनी कम गेंद में पारी समेटने का भी यह रिकॉर्ड रहा। इंग्लैंड ने 1924 में दक्षिण अफ्रीका को 75 गेंद में ढेर कर दिया था। किंग्समीड पर भी यह न्यूनतम स्कोर और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड न्यूनतम स्कोर रहा। न्यूजीलैंड की टीम 2013 में केपटाउन में 45 रन पर सिमट गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी 191 रन पर खत्म की।

भारतीय टीम ने की पीएम अल्बानीज से मुलाकात

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने 30 नवंबर से प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद अभ्यास मैच से पहले गुरुवार को यहां भारतीय क्रिकेट टीम के एक स्वागत समारोह में मेजबानी की। यह मैच मनुका ओवल में खेला जाएगा जो छह दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दिन-रात्रि टेस्ट के लिए अच्छी तैयारी के तौर पर काम करेगा। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने सभी साथियों को उनसे मिलवाया।

विलियमसन शतक से चूके न्यूजीलैंड ने बनाए 319 रन

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

केन विलियमसन ने चोट से वापसी पर 93 रन की शानदार पारी खेली। इससे न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 319 रन बनाए।

दिन का खेल जब 83 ओवर के बाद खत्म हुआ उस समय ग्लेन फिलिप्स 41 और टिम साउथी 10 रन बनाकर खेल रहे थे। विलियमसन चोट के कारण पिछले महीने भारत में न्यूजीलैंड की 3-0 की ऐतिहासिक जीत के दौरान टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने इस साल जून के बाद सिर्फ दो टेस्ट और प्रथम श्रेणी का एक मैच खेला है। न्यूजीलैंड की टीम चाय के विश्राम से पहले तीन विकेट पर 193 रन बनाकर अच्छी स्थिति में लेकिन इंग्लैंड ने दिन के आखिरी सत्र में विलियमसन सहित पांच विकेट झटक कर अच्छी वापसी की। इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर ने 20 ओवर में 69 रन देकर चार विकेट लिए। अपने 33वें शतक से सात रन से चूकने वाले विलियमसन ने इस दौरान कप्तान टॉम लाथम (47) के साथ 58, रचिन रविंद्र (34) के साथ 68 और डेरिल मिचेल (34) के साथ 69 रन की साझेदारी के साथ न्यूजीलैंड को मजबूत स्थिति में रखा।

एशिया-प्रशांत बधिर खेल

68 सदस्यीय टीम भेजेगा भारत

नई दिल्ली। भारत की 68 सदस्यीय टीम एक से आठ दिसंबर तक कुआलालंपुर में होने वाले एशिया-प्रशांत बधिर खेलों में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट बोलने और सुनने में समस्या से ग्रसित व्यक्तियों के लिए एशियाई खेलों के समतुल्य है और यह बधिर ओलंपिक की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है जिसका आयोजन अगले साल जापान में किया जाएगा। भारतीय खिलाड़ी सात खेलों में हिस्सा लेंगे जिसमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, जूडो, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और कुश्ती शामिल है।शुक्रवार को भारतीय दल के रवाना होने से पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में विदाई समारोह आयोजित किया। भारत के दल में 24 कोच, सहयोगी स्टाफ और अधिकारी सहित 92 सदस्य हैं और साइ ने यात्रा, आवास, प्रशिक्षण, उपकरण और टीम किट आदि पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एशिया-प्रशांत खेल पिछली बार 2015 में ताइवान में आयोजित किए गए थे जहां भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते थे।

फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने किया खुलासा

पंत और दिल्ली कैपिटल्स की विचारधारा में था अंतर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने खुलासा किया कि इंडियन प्रीमियर लीग मेगा नीलामी से पहले ऋषभ पंत को बनाए रखने के लिए फ्रेंचाइजी ने हर संभव कोशिश की, लेकिन इस दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ टीम संचालन को लेकर प्रबंधन के विचार एक जैसे नहीं थे।

कैपिटल्स ने पंत को टीम में बरकरार नहीं रखा और बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को हाल ही में मेगा नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा। वह आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। जिंदल ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, 'फ्रेंचाइजी के संचालन पर हमारी सोच अलग-अलग थी। यही कारण है कि यह (पंत का टीम से अलग होना) हुआ। इसका पैसे से इसका कोई लेना-देना नहीं है।' उन्होंने कहा, 'ऋषभ के लिए पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। हमारे लिए भी पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं था। मुझे लगता है कि हम तीनों (किरण ग्रांधी, जिंदल और पंत) की सोच एक जैसी नहीं थी। उन्होंने (पंत) अंत में एक फैसला किया। हमने सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने आगे बढ़ने का मन बना लिया था।' जिंदल ने मतभेद के मुद्दों पर पूछे जाने पर कहा, 'यह फ्रेंचाइजी के संचालन से जुड़ा हुआ है। हमें उनसे कुछ उम्मीदें थी और उन्हें हम से कुछ उम्मीदें थी। मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम कुछ चीजों पर एकमत नहीं हो पाए।'

14 करोड़ नहीं मुझे इज्जत चाहिए : राहुल

ऑक्शन के बाद टीम के मालिक पार्थ जिंदल और केएल राहुल के बीच बातचीत हुई। पार्थ जिंदल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के साथ बातचीत में कहा, 'केएल राहुल ने टीम से 14 करोड़ के अलावा इज्जत भी मांगी है। राहुल बस क्रिकेट खेलना चाहते हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी से बस प्यार और सपोर्ट चाहिए और कुछ नहीं।' बता दें कि लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम में केएल राहुल और ओनर संजीव गोयनका के बीच भारी बवाल हुआ था। संजीव गोयनका ने राहुल की धीमी बल्लेबाजी पर उन्हें सरेआम डांट लगा दी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। वहीं जब रिटेंशन की बारी आई तो राहुल रिटेन होने से मना कर दिया।

जब इरीटेटिंग परिणीति को इशकजादें में लिए जाने के खिलाफ थे अर्जुन

परिणीति चोपड़ा और अर्जुन कपूर ने निर्देशक हबीब फैसल की रोमांटिक एक्शन फिल्म इश्कजादे में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं। अर्जुन कपूर ने हाल ही में रोहित शेट्टी की मल्टी- स्टारर एक्शन फिल्म 'सिंघम अगेन' मेन विलेन का रोल निभाया, फिल्म ने अच्छी कमाई की और लोगों ने अर्जुन कपूर की तारीफ भी की। निर्देशक हबीब फैसल की रोमांटिक एक्शन फिल्म इश्कजादे में परिणीति चोपड़ा के साथ लीड रोल में साल 2012 में डेब्यू करने के बाद भी, अर्जुन के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, उनकी आखिरी फिल्म द लेडी किलर (2023) ने 45 करोड़ रुपये के कथित बजट के मुकाबले सिर्फ 60,000 रुपये की कमाई की। मशहूर निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत मोना शौरी के बेटे एक्टर अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने अपनी पहली फिल्म इश्कजादे में परिणीति चोपड़ा की कास्टिंग के वक्त उनके मन में चल रही शंकाओं के बारे में बात की। अर्जुन ने मैशेबल इंडिया से कहा, जब कास्टिंग हुई तो मैं उनकी कास्टिंग के बहुत खिलाफ था। मैं ऐसा था, 'ये बहुत बात करती है' और उनकी रीडिंग भी खराब थी।

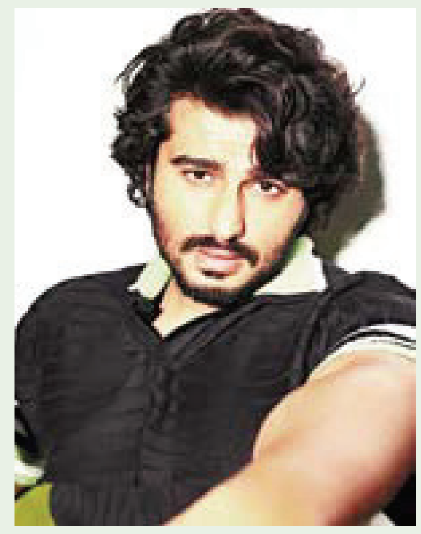

रैपर बादशाह के रेस्तरां में हुआ बम धमाका

बॉलीवुड रैपर बादशाह के रेस्तरां चंडीगढ़ में बम ब्लास्ट हुआ। इसकी जिम्मेदारी गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने ली है।

26 नवंबर को चंडीगढ़ के 26 सेक्टर में जिस जगह पर बम ब्लास्ट हुआ है, वहां रेस्तरां और सेविले बार और लाउंज के मालिक रैपर बादशाह हैं। अधिकारियों की मानें तो विस्फोट मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों द्वारा फेंके गए कम तीव्रता वाले उपकरण से हुआ था।

गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने ली जिमेदारी

गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा, जो लॉरेंस बिश्नोई की गैंग से संबंध रखते हैं। दोनों ने इस मामले की जिमेदारी ली है। उन्होंने कहा कि उन्होंने लब मालिकों से जबरन वसूली की मांग की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, जिसके कारण उन्होंने विस्फोट को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस ने अभी तक दावे की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं की है। इससे लॉरेंस बिश्नोई के कनेशन को लेकर बात की जा रही है।

चंडीगढ़ में हुआ ये हादसा

पुलिस की मानें तो विस्फोट देओरा के बाहर हुआ, जो रैपर बादशाह के बार और लाउंज के पास है। विस्फोट से संपायों को कुछ नुकसान हुआ, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। विस्फोट दोपहर करीब 2.30 बजे के बीच हुआ। इससे संपायों को मामूली नुकसान हुआ है। चंडीगढ़ फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ-साथ बम का पता लगाने वाले दस्तों को सबूत इकट्ठा करने के लिए घटनास्थल पर भेजा गया।

काजोल ने बताया अपनी गोरी रंगत का राज!

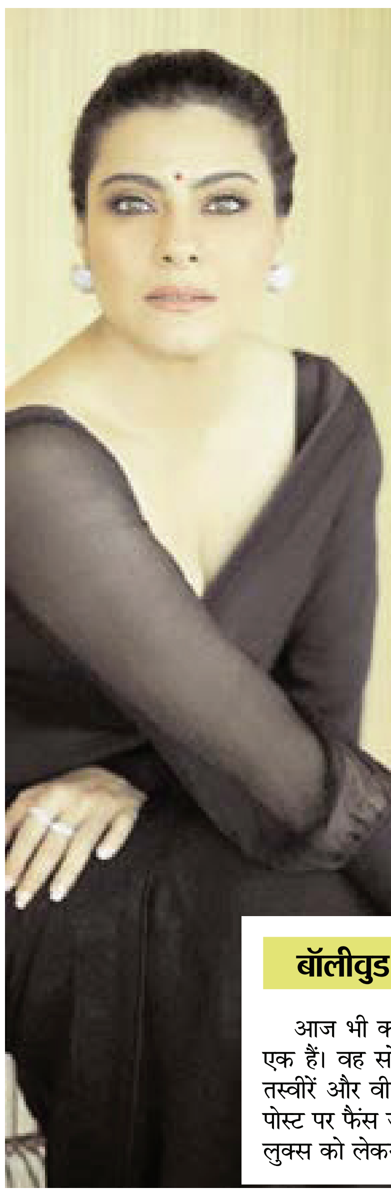

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस काजोल, जो अपनी एक्टिंग और चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं, अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। खासतौर पर उनके बदले हुए लुक और गोरी त्वचा को लेकर लोग सवाल करते हैं।

कई बार उनके फैंस भी जानना चाहते हैं कि काजोल, जो पहले सांवली नजर आती थीं, अब इतनी गोरी कैसे हो गईं। काजोल, जो दिग्गज अभिनेत्री तनुजा की बेटी हैं, ने 1992 में फिल्म बेखुदी से अपने करियर की शुरुआत की थी। लेकिन उनकी असली पहचान फिल्म बाजीगर से बनी, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया।

इसके बाद काजोल ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है, और कभी खुशी कभी गम जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से बॉलीवुड में अपनी जगह मजबूत कर ली।

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक

आज भी काजोल बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती हैं। हालांकि, उनकी पोस्ट पर फैंस जहां प्यार बरसाते हैं, वहीं कुछ लोग उनके गोरेपन और लुक्स को लेकर ट्रोल करते हैं।

भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर रवि किशन का बयान, बोले- जूनियर सुपरस्टार्स ने बर्बाद कर दिया

एक्टर रवि किशन के पास 2024 में जश्न मनाने के कई कारण हैं। उनकी फिल्म 'लापता लेडीज़' का ऑस्कर में जाना उनके लिए गर्व की बात है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगभग 34 सालों तक रहने के बाद, रवि किशन को लगता है कि आखिरकार उन्हें वह हक मिल रहा है जिसके वे हकदार हैं। हालांकि, एक्टर भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर थोड़ा निराश हैं।

एक विशेष बातचीत में, रवि किशन ने बताया कि रीजनल सिनेमा ने हाल ही में जो उछाल देखा गया है, इस मामले में भोजपुरी इंडस्ट्री पीछे रह गई है। इसके साथ ही उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया। अपने स्ट्रगल के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे वो भोजपुरी इंडस्ट्री शुरू करने के लिए प्रेरित हुए। उन्होंने कहा, अजय देवगन, अक्षय कुमार और मैंने एक साथ एंट्री की थी, वे सभी आगे बढ़ गए और मैं अकेला पीछे रह गया। फिर मैंने अपनी खुद की भोजपुरी इंडस्ट्री बनाई।

मैं एक बड़ी रेस में था; मैं ट्रेन्ड था, कुछ हद तक मिथुन चक्रवर्ती जैसा दिखता था, लेकिन मुझे कोई मौका नहीं मिल रहा था। उन्होंने आगे कहा, मैं सेकेंड लीड, थर्ड लीड किरदार निभाते-निभाते थक गया था, तभी मुझे 'सइयां हमार' नाम की भोजपुरी फिल्म करने का मौका मिला।

मैंने इसे इसलिए लिया क्योंकि मैं 8-9 साल तक संघर्ष करने से बहुत निराश हो गया था, उस फिल्म ने मुझे बड़ी सफलता दी और मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिर मुझे बिग बॉस मिला और उस शो ने मुझ पर रीजनल एक्टर का ठप्पा लगा दिया.

राम गोपाल वर्मा ने एक बार फिर एनिमल में दिखाई हिंसा पर की बात

संदीप रेड्डी वांगा की रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' एक बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन बावजूद इसके फिल्म की जमकर आलोचना हुई और आज भी हो रही है। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने कहा कि फिल्मों के सीन आज भी उन्हें परेशान करते हैं। हालांकि राम गोपाल की खुद की कई फिल्मों में जमकर हिंसा दिखाई गई है।

'एनिमल' में हिंसा के बारे में बात करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, यह सेनाओं को एक-दूसरे से लड़ते हुए देखने से भी अधिक प्रभावशाली था। वास्तव में, मुझे याद है जब मैं नागार्जुन को शिव के बारे में बता रहा था, जब वह 'अग्नि पुत्रुदु' की शूटिंग कर रहे थे। मैंने उनसे कहा कि शिव में हिंसा बम फोड़े जाने और चाकू मारे जाने से भी अधिक गंभीर होगी। उदाहरण के लिए, नरेश के साथ अंधेरे में थिएटर से आने वाला सीन और जब उसे पीछे से मारा जाता है, हमला काफी प्रभावशाली है। आरजीवी ने कहा, मुझे रणबीर के सीन के साथ भी ऐसा ही महसूस हुआ। एनिमल में, विशेषकर लो एंगल शॉट। यह अब भी मुझे परेशान करता है।

राम गोपाल वर्मा ने कहा कि संदीप रेड्डी वांगा का किस तरह के व्यक्ति हैं, वास्तव में स्क्रीन पर दिखाई गई हिंसा से बिल्कुल अलग हैं। उनकी फिल्म में भले ही इस तरह के सीन हैं, लेकिन वो खुद एक शांत स्वभाव के इंसान हैं। राम गोपाल वर्मा ने वांगा से कहा, ÷मैं तुममें कभी गुस्सा नहीं देखता। हो सकता है कि आप इसे अपने किरदारों के लिए संभाल कर रखते हों, या आप ऐसा दिखा रहे हों जैसे कि आपमें वो गुस्सा है ही नहीं। संदीप रेड्डी वांगा इस वक्त मोस्ट अवेटेड प्रभास-स्टारर 'स्पिरिट' पर काम कर रहे हैं, इसमें प्रभास को एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में दिखाया जा सकता है।

जेनिफर लोपेज का बोल्ड अंदाज, प्लीटेड मिनी स्कर्ट में फ्लॉन्ट किया टोन्ड फिगर

जेनिफर लोपेज अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हसीना कभी भी शॉर्ट ड्रेस में अपना फिगर दिखाने से नहीं कतराती हैं। जेनिफर लोपेज मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। 55 की सिंगर ब्लैक शर्ट और मैचिंग प्लीटेड मिनी स्कर्ट में बेहद बोल्ड लग रही हैं। हसीना ने मिनिमल मेकअप, ओपन हेयर्स से लुक्स को पूरा किया था। जेनिफर कातिलाना अंदाज में कैमरे के सामने पोज दे रही हैं।

लोपेज़ के करियर के लिए 2024 शानदार रहा - एटलस एक बड़ी सफलता थी लेकिन बेन अफ्लेक संग उनके रिलेशनशिप ने खूब सुर्खियां बटोरी।

नागार्जुन के घर दोहरी खुशियों का माहौल, नागा के बाद छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने की सगाई

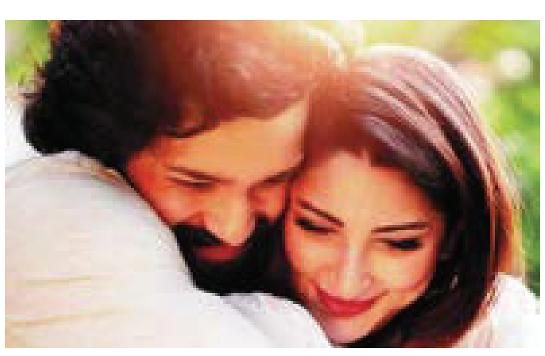

नागार्जुन के घर दोहरी खुशियों का माहौल है। बड़े बेटे नागा के बाद तेलुगु अभिनेता के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने भी सगाई कर ली है। अभिनेता ने पोस्ट कर जैनब रावदजी का परिवार में स्वागत किया है। अनुभवी तेलुगु अभिनेता नागार्जुन के घर पर दोहरी खुशियों का माहौल है। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की शादी से कुछ दिन पहले अभिनेता के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने सगाई कर ली है। उन्होंने लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड और लाइफस्टाइल ब्लॉगर जैनब रावदजी से सगाई की है। नागार्जुन ने अपने एक्स हैंडल पर जोड़े की एक तस्वीर के साथ खुशखबरी की घोषणा की और परिवार में जैनब का स्वागत किया।

नागार्जुन के छोटे बेटे ने की सगाई

छोटे बेटे और होने वाली बहू की एक तस्वीर को साझा करते हुए नागार्जुन ने लिखा, अपने बेटे अखिल अक्किनेनी और हमारी होने वाली बहू जैनब रावदजी की सगाई की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं।

जब पत्नी बोलतीं है तो मैं खामोश हो जाता हूं: खेसारी लाल यादव

भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में खेसारी लाल यादव ने काजल राघवानी से जुड़े कई बयान दिए थे जिसकी वजह से वो चर्चा में रहें, मगर अब उसी पॉडकास्ट से उनका एक और बयान वायरल हो रहा है। जहां खेसारी लाल यादव अपनी वाइफ को लेकर बयान देते नजर आ रहे हैं।

जब खेसारी लाल से पूछा गया कि क्या उनकी वाइफ उनसे लड़ती हैं तो खेसारी ने कहा कि हां और क्यों नहीं लड़ेगी। खेसारी ने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं कह दूं कि मेरी वाइफ लड़ती नहीं है? क्यों नहीं लड़ेगी भाई? लड़ाई तो वहीं होती है जहां हक होता है, जहां पर प्यार होता है, जहां पर रिश्ते होते हैं। तो उसका लड़ना भी जायज़ है, ठीक है। हम भी चुप हो जाते हैं, शांत हो जाते हैं, कि चलो यार कोई बात नहीं, हर जगह तो मैं जीत ही जाता हूं, हर आदमी को तो चुप करा ही देता हूं। कहीं तो मुझे चुप होना पड़ेगा।

वर्क फ्रंट की बात करें तो खेसारी लाल यादव जल्द ही आकांक्षा पुरी के साथ दो फिल्मों में नजर आएंगे। एक फिल्म का नाम है 'राजा राम' जिसमें दोनों का स्पेशल सॉन्ग 'चुम्मा चुम्मा' है। ये वीडियो सॉन्ग काफी बोल्ड है। इसमें खेसारी और आकांक्षा पुरी की केमिस्ट्री की काफी चर्चा है। इसके अलावा आकांक्षा और खेसारी की भोजपुरी फिल्म 'अग्नि परीक्षा' भी लाइन में है।

खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी के बीच काफी झगड़े हुए और दोनों के अफेयर और ब्रेकअप की खबरें भी खूब उड़ीं और अब खेसारी लाल का नाम आकांक्षा पुरी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों हाल ही में जिम में कुछ ऐसे वर्कआउट करते दिखे जिसके बाद से दोनों के अफेयर की खबरें और तेजी से आने लगीं। मगर खेसारी लाल यादव ने इस पर सफाई दी है।

राजकुमार संतोषी की मुश्किलें बढ़ीं

सत्र न्यायालय ने चेक बाउंस मामले में बरकरार रखी सजा

राजकोट के सत्र न्यायालय ने निर्माता-निर्देशक राजकुमार संतोषी को दो चेक बाउंसिंग मामलों में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। 17 फरवरी को जामनगर की अदालत ने संतोषी को दो साल की सजा और दिए गए पैसे की दोगुनी राशि जमा करने का आदेश दिया था।

राजकोट के सत्र न्यायालय ने निर्माता-निर्देशक राजकुमार संतोषी को दो चेक बाउंसिंग मामलों में एक-एक साल की सजा सुनाने वाली निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने यह भी आदेश दिया कि संतोषी को पीड़ित को मुआवजा भी देना होगा। संतोषी ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन सत्र न्यायालय ने उनकी अपील को खारिज कर दिया।

अदालत ने बरकरार रखी सजा: इस मामले में शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीन कोटेचा ने अदालत में दलीलें दीं, जिनके तर्कों को अदालत ने स्वीकार किया। प्रवीन कोटेचा ने संतोषी के खिलाफ आरोपों को मजबूती से रखा, जिसके बाद अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया।

निचली अदालत ने दिया था ये फैसला: 17 फरवरी को जामनगर की सातवीं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने राजकुमार संतोषी को चेक बाउंसिंग के दो मामलों में दो साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही अदालत ने संतोषी को वह रकम दोगुनी राशि में जमा करने का आदेश भी दिया था, जो उन्होंने शिकायतकर्ता को चुकानी थी।

सत्र न्यायाल ने खारिज कीं संतोषी की दलीलें: संतोषी ने अपनी अपील में दावा किया था कि वह किसी तरह की धोखाधड़ी में शामिल नहीं थे, लेकिन सत्र न्यायालय ने उनकी दलीलें खारिज करते हुए निचली अदालत के आदेश को मान्यता दी। इस फैसले से यह साफ है कि अदालत ने शिकायतकर्ता के पक्ष में मजबूत फैसला दिया है।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान

08

भीलवाड़ा

शुक्रवार 29 नवम्बर , 2024

संक्षिप्त समाचार

कमला हैरिस ने कहा- लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए लड़ती रहूंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव हारने के कुछ दिनों बाद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह लोकतंत्र, कानून के शासन, समान न्याय और स्वतंत्रता के लिए लड़ना जारी रखेंगी। मंगलवार को कमला हैरिस एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में कमला हैरिस ने राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन करने वाले लोगों और धन उगाहने वाले लोगों को संबोधित किया। जिसमें कमला हैरिस ने कहा कि ऐसा भविष्य सुनिश्चित करने के लिए, जहां हर कोई अपने सपनों को पूरा कर सके, हमें लंबी लड़ाई लड़नी है और यह लड़ाई 5 नवंबर को खत्म नहीं हुई है। राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को हुआ था। जिसमें ट्रंप ने कमला हैरिस को हरा दिया। अब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति का पद संभालेंगे और कमला हैरिस के बाद जेडी वेंस अगले उपराष्ट्रपति होंगे। कार्यक्रम के दौरान कमला हैरिस ने कहा कि हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हमें एक ऐसे भविष्य का निर्माण करना है, जहां हर कोई अपने सपनों और अपनी महत्वाकांक्षाओं और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सके। हम महिलाओं के अपने शरीर के बारे में फैसला लेने के अधिकार के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, हम अपने लोकतंत्र, कानून के शासन और समान न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह एक अनिश्चित समय है। हम अनिश्चितता और हर उस चीज से घिरे हुए हैं, जो हमें चिंता में डालती है। हम शक्तिहीन नहीं हैं और हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। हमें दृढ़ निश्चयी बने रहना चाहिए। स्वतंत्रता और सम्मान के अवसर के लिए लड़ाई 5 नवंबर को समाप्त नहीं हुई।

बैंक ऑफ चाइना के पूर्व प्रमुख लियू को भ्रष्टाचार में मिली मौत की सजा

बीजिंग, एजेंसी। बैंक ऑफ चाइना के पूर्व चेयरमैन लियू लियांगे को मंगलवार को अदालत ने भ्रष्टाचार और अवैध ऋण जारी करने का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई गई। उन्हें प्राणदंड दो साल बाद दिया जाएगा। चीन के पूर्वी शेडोंग प्रांत के जिनान शहर की एक अदालत ने यह फैसला सुनाया। उन्हें 121 मिलियन युआन (141.61 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था।

इस्राइली ऊद महोत्सव में राकेश और कालीनाथ ने जलवा बिखेरा

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में भारतीय संगीत के प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय संगीतज्ञ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने यहां 25वें अंतरराष्ट्रीय ऊद महोत्सव में अपनी स्वर लहरियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चौरसिया और तबला वादक पंडित कालीनाथ मिश्रा की जुगलबंदी ने संगीत प्रेमियों को बांधकर रखा। यह चौरसिया की इस्राइल में चौथी प्रस्तुति थी। उनके चाचा पंडित हरिप्रसाद चौरसिया विश्व विख्यात बांसुरी वादक रहे हैं। राकेश चौरसिया ने कहा, मुझे यहां बार-बार आना पसंद है क्योंकि यहां श्रोता हमेशा गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। इस बार भी अच्छा अनुभव रहा।

रूस ने 30 ब्रिटिश नागरिकों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध

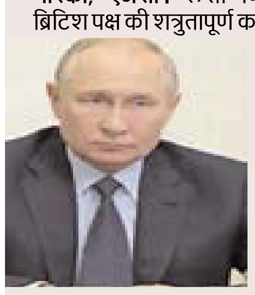

मॉस्को, एजेंसी। रूसी विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश पक्ष की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के जवाब में 30 ब्रिटिश नागरिकों के रूसी क्षेत्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रतिबंध सूची में ब्रिटेन के राजनीतिक प्रतिष्ठान, सैन्य गुटों, उच्च तकनीक कंपनियों के साथ-साथ समाचार आउटलेट के सदस्य भी शामिल हैं। ब्रिटिश उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर, राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स, गृह सचिव यवेट कूपर और कई अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी इस सूची में शीर्ष पर हैं। मंत्रालय के अनुसार, ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा शत्रुतापूर्ण व्यवहार के जवाब में रूस प्रतिबंध सूची का और विस्तार करने के लिए तैयार है। इससे पहले मंगलवार को रूसी विदेश मंत्रालय ने जासूसी के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित करने के बाद रूस में ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और विरोध दर्ज कराया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का हवाला देते हुए सरकारी न्यूज एजेंसी तास ने बताया कि विल्क्स एडवर्ड प्रायर नामक ब्रिटिश राजनयिक पर अपने दस्तावेजों में गलत जानकारी देने और जासूसी समेत कई असामान्य गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। एफएसबी ने कहा कि उसे दो दिनों के भीतर रूस छोड़ देना चाहिए। मास्को ने कथित तौर पर आक्रामक रूसी विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा देने, अवैध एकतरफा प्रतिबंध लगाने और नव-नाजी कीव शासन का समर्थन करने के लिए लंदन की निंदा की। दूसरी ओर यूके सरकार ने रूस के इस कदम की निंदा की और आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और निराधार बताते हुए खारिज किया। इसके अलावा उचित समय पर जवाब देने की कसम खाई। ब्रिटेन ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब रूस ने हमारे कर्मचारियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और निराधार आरोप लगाए हैं। हम उचित समय पर जवाब देंगे।

इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन का सीजफायर मंजूर

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की वॉर कैबिनेट ने लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन के लिए सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। इसे लेकर मंगलवार देर रात कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। इसे 10-1 से मंजूरी मिल गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही सीजफायर के प्लान को मंजूरी दे चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सीजफायर को अच्छी खबर बताया है। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए उन्होंने नेतन्याहू और लेबनान के पीएम नजीब मिकाती से बात की है। दोनों देशों के बीच बुधवार सुबह 4 बजे (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे) जंग रुक जाएगी। बाइडेन ने कहा कि सीजफायर का मतलब जंग को हमेशा के लिए खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना कब्जे वाले इलाके को लेबनानी सेना को सौंपेगी और वहां से हटेगी, ताकि हिजबुल्लाह वहां कब्जा न जमा ले। 60 दिन के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बाइडेन ने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह या कोई और समझौते का उल्लंघन करता है और इजराइल के लिए खतरा पैदा करता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा करने का अधिकार होगा। वहीं, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है तो हम फिर से हमला करेंगे। नेतन्याहू बोले- 3 वजहों से सीजफायर को दी मंजूरी नेतन्याहू ने सीजफायर समझौते की मंजूरी से पहले एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर समझौता करने के पीछे 3 वजहें बताईं। नेतन्याहू ने कहा कि हमास, हिजबुल्लाह पर भरोसा कर रहा था। उन्हें यकीन था कि हिजबुल्लाह के लड़ाके उनके साथ लड़ेंगे, लेकिन अब वे अकेले रह गए हैं। अब उन पर दबाव बढ़ेगा। इससे हमारे बंधकों को छुड़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह सीमा के पास इजराइल पर हमला करने की कोशिशें करता है, इस इलाके में बुनियादी ढांचा तैयार करता है, सुरंगें खोदता है या इस इलाके में रॉकेट ले जाने वाले ट्रक लाता है तो इसे समझौते का उल्लंघन माना जाएगा।

सीजफायर को इजराइली नेताओं ने गलत कदम बताया : इजराइल के नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इतमार बेन ग्विर ने नेतन्याहू के सीजफायर के फैसले को गलत कदम बताया। ग्विर ने कहा कि अगर सीजफायर हुआ तो हिजबुल्लाह को जड़ से खत्म करने का मौका गंवा देंगे। ये ऐतिहासिक गलती होगी। ग्विर लंबे समय से हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर का विरोध करते रहे हैं। ग्विर के अलावा इजराइल की वॉर कैबिनेट का हिस्सा रह चुके बेनी गेंट्ज ने नेतन्याहू को सीजफायर से जुड़ी जानकारियां लोगों के सामने रखने के लिए कहा है। बेनी गेंट्ज ने इस साल जून में इजराइली वॉर कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नेतन्याहू पर गाजा को ठीक तरह से हैंडल नहीं करने का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने कराई सीजफायर डील : पिछले हफ्ते एक अमेरिकी अधिकारी अमोस होचस्टीन ने लेबनान के प्रधानमंत्री निजाब मिकाती और संसद के स्पीकर निबाह बैरी के साथ मुलाकात की थी। इस दौरान इजराइल और हिजबुल्लाह में सीजफायर कराने को लेकर बातचीत हुई थी। लेबनान में बातचीत करने के बाद होचस्टीन बुधवार को इजराइल पहुंचे थे, जहां सीजफायर को फाइनल करने पर बात हुई। इस प्लान में अगले 60 दिनों के लिए इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच सीजफायर करने का प्रस्ताव रखा गया। इन 60 दिनों में दोनों के बीच स्थाई तौर पर सीजफायर को लागू करने के लिए काम किया जाएगा। इस प्लान को यूएन रेजोल्यूशन 1701 के आधार पर तैयार किया गया है। जुलाई 2006 में हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने लेबनान बॉर्डर पार कर इजराइल के 8 सैनिकों को मार दिया था। इसके अलावा 2 सैनिकों को बंधक बनाकर ले गए थे। इसके जरिए हिजबुल्लाह इजराइल के साथ कैदियों की अदला-बदली चाहता था। हालांकि, इजराइल ने अपने सैनिकों की मौत और बंधक बनाने के जवाब में हिजबुल्लाह के खिलाफ हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया।

दक्षिण कोरिया : 14 वर्षों में रिकॉर्ड की गई उच्च जन्म दर

सोल, एजेंसी। लगातार घटती आबादी से परेशान दक्षिण कोरिया के लिए सितंबर गुड न्यूज देकर गया। लगभग 14 साल में ऐसा पहली बार हुआ कि इस महीने में बड़ी संख्या में नवजात जन्मे। घटते जन्म दर और तेजी से बढ़ती उम्र के गंभीर जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से निपटने को लेकर दक्षिण कोरिया संघर्ष कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया स्टैटिक्स कोरिया द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार सितंबर में कुल 20,590 बच्चे पैदा हुए, जो एक साल पहले की तुलना में 10.1 प्रतिशत (1,884 नवजात शिशुओं की वृद्धि) अधिक है। बता दें कि यह जनवरी 2011 के बाद से सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है, जब बच्चों के जन्म में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। एजेंसी के एक अधिकारी इम यंग-इल ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया, यह वृद्धि कोविड-19 महामारी के शुरुआती चरणों के दौरान शादियों में देरी होने के बाद 2022 की दूसरी छमाही से 2023 की पहली छमाही तक अधिक शादियां करने के कारण हुई है। एजेंसी ने बताया कि इस साल की तीसरी तिमाही में कुल 61,288 बच्चे पैदा हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि से 8 प्रतिशत अधिक है। यह संख्या 2012 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे बड़ी तिमाही वृद्धि को भी दर्शाती है। देश में तीसरी तिमाही में कुल प्रजनन दर 0.76 रही, जो कि एक महिला के जीवनकाल में होने वाले औसत बच्चों की संख्या को दिखाती है। जनवरी-सितंबर अवधि के लिए यह दर 0.74 रही। नौ महीने का यह आंकड़ा 2023 के पूरे वर्ष के लिए दर्ज 0.72 से अधिक है, जो 1970 के बाद का सबसे निम्नतम स्तर है। यंग-इल ने कहा, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि 2024 में कुल प्रजनन दर 0.72 से ऊपर हो सकता है और अगर मौजूदा रुझान चौथी तिमाही में भी जारी रहता है, तो यह 0.74 के आसपास भी पहुंच सकती है।

ब्राजील के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने बोल्सनारो पर तख्तापलट करने के लिए डाला था दबाव

साओ पाउलो , एजेंसी। ब्राजील सेना के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने तत्कालीन राष्ट्रपति जेयर बोल्सनारो पर तख्तापलट कर सत्ता में बने रहने का दबाव डाला था। वर्ष 2022 के अंत में कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग के लीक होने के बाद यह खुलासा हुआ है। संघीय पुलिस द्वारा हासिल की गयी 53 ऑडियो रिकॉर्डिंग में सेना के सदस्यों को वामपंथी लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा को राष्ट्रपति बनने से रोकने की अपनी इच्छा को अपनी आवाज में व्यक्त करते हुए सुना जा सकता है। 'द एसोसिएटेड' प्रेस को सोमवार को यह ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त हुई। पुलिस की व्यापक जांच की निगरानी करने वाले उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने पिछले सप्ताह अपने फैसले में इनमें से कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग का हवाला दिया, जिसमें 2022 में तत्कालीन निर्वाचित राष्ट्रपति लूला की हत्या की साजिश रचने और फिर आठ जनवरी 2023 को उन्हें सत्ता से बेदखल करने का प्रयास के लिए पांच लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। सेना के विशेष बलों के पूर्व उपकमांडर कर्नल रॉबर्टो रेगुंडो क्रिस्कुली ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल मारियो फर्नांडीस से कहा था कि लूला की लगातार तीसरी बार जीत के बाद धुर दक्षिणपंथी नेता एक स्पष्ट विकल्प के रूप में सामने हैं। फर्नांडीस उस समय राष्ट्रपति पद के महासचिव के बाद दूसरे स्थान पर थे।

दावा-अमेरिकी सेना से ट्रांसजेंडर्स को निकालेंगे ट्रम्प:15 हजार ट्रांसजेंडर्स खो सकते हैं नौकरी

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प सत्ता संभालने के बाद अमेरिकी सेना में शामिल ट्रांसजेंडर सैनिकों को निकाल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 20 जनवरी को शपथ लेने के बाद ट्रम्प इस आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके साथ ही भविष्य में भी ट्रांसजेंडर्स के अमेरिकी सेना में शामिल होने पर रोक लगा दी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सैनिकों को मेडिकली अनफिट होने के चलते नौकरी से निकाला जाएगा। फिलहाल अमेरिकी सेना में 15 हजार ट्रांसजेंडर सैनिक हैं, जिन्हें नौकरी से निकाला जा सकता है। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान भी ट्रांसजेंडर समुदाय के खिलाफ बयान दिए थे। इसके अलावा ट्रम्प की अगली सरकार में रक्षा मंत्री बनने वाले पिट हेगसेथ ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि सेना में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को शामिल करने से अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है।

पिछले कार्यकाल में भी लगाया था प्रतिबंध : अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रांसजेंडर्स के सेना में शामिल होने पर रोक लगाई थी। हालांकि उस समय जो लोग सेना में पहले से शामिल थे, उन्हें नहीं हटाया गया था। बाद में जो बाइडेन ने राष्ट्रपति बनने के बाद इस प्रतिबंध को हटा दिया था। अमेरिकी सेना में फिलहाल जो 15 हजार ट्रांसजेंडर सैनिक हैं, उनमें से 2200 ने सर्जरी के जरिए अपना जेंडर चेंज कराया था। बाकी सैनिकों ने अपनी पहचान ट्रांसजेंडर के तौर पर दर्ज कराई है।

इस बार ट्रम्प इन सभी 15 हजार ट्रांसजेंडर्स को सेना से निकालने की बात कह रहे हैं।

यूनिवर्सिटीज ने विदेशी छात्रों से वापस आने को कहा : अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज ने अपने यहां पढ़ने वाले दूसरे देशों के छात्रों को डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण से पहले वापस लौटने के लिए कहा है। डोनाल्ड ट्रम्प अगले साल 20 जनवरी को राष्ट्रपति बनेंगे। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान अवैध प्रवासियों को देश से निकालने के लिए बड़े स्तर पर कैंपेन चलाने की बात कही थी। बीबीसी रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में इस समय 4 लाख ज्यादा ऐसे विदेशी स्टूडेंट रजिस्टर्ड हैं, जिनके पास उनके कागजात नहीं हैं। ऐसे में उन्हें ट्रम्प की अवैध प्रवासियों के खिलाफ लिए जाने वाले एक्शन्स का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा ट्रम्प एच1-बी वीजा प्रोग्राम से जुड़े नियमों को और सख्त कर सकते हैं। ट्रम्प ने पिछले कार्यकाल में एच1-बी के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को बढ़ाते हुए सख्त कर दिया था। इसके चलते एच1-बी वीजा से जुड़े एप्लिकेशन रिजेक्ट होने की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई थी। 2015 में एच1-बीवीजा कैटेगरी में 6 प्रतिशत एप्लिकेशन ही रिजेक्ट हुए थे, जबकि 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 24 प्रतिशत तक पहुंच गया था। इसके अलावा ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में ट्रिस्ट और शॉर्ट टर्म वीजा की प्रक्रिया भी लंबी हो गई थी।

जयशंकर बोले- यूक्रेन जंग का हल बातचीत से निकले

इटैलियन अखबार से कहा- यूरोप को सिद्धांतों की इतनी परवाह है तो रूस से रिश्ते खत्म करे

रोम, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग अटेंड करने इटली पहुंचे हैं। यहां उन्होंने इटैलियन न्यूज पेपर कोरिएरे डेला सेरा से यूक्रेन वॉर और भारत-चीन समेत कई मुद्दों पर बात की। जयशंकर ने यूक्रेन वॉर डिप्लोमैटिक हल पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यूक्रेन युद्ध का कोई सैन्य समाधान नहीं है। इसके लिए नए सिरे से डायलॉग शुरू किया जाना चाहिए। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि, हर क्षेत्र को अर्थव्यवस्था की हकीकत के बारे में सोचना चाहिए। अगर यूरोप पर अपने सिद्धांतों की इतनी ही परवाह है तो उसे खुद रूस के साथ अपने सभी व्यापार खत्म कर देने चाहिए। यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर जयशंकर ने मॉस्को और कीव के साथ-साथ इस युद्ध से जुड़े सभी पक्षों को बातचीत में शामिल करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों को बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खास तौर पर भारत और

यूरोपियन यूनियन के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा- यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर और इन्वेस्टर है। हम पिछले कुछ सालों से लगातार बड़े समझौते कर रहे हैं। मैं दोनों के बीच पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ते स्ट्रैटेजिक समझौतों को देख रहा हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों के लिए फायदेमंद समझौता आर्थिक सहयोग को बढ़ा सकता है। देश बाहरी मामलों से ज्यादा अपने फायदे पर जोर दें जियो पॉलिटिकल प्रेशर, खास तौर पर चीन के साथ तनाव को लेकर उन्होंने कहा कि देशों को बाहरी मामलों से ज्यादा अपने देश के हितों पर जोर देना चाहिए। मेरा जीवन किसी दूसरे देश के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। मेरा दिलचस्पी एक शांत, समृद्ध और सहयोगी क्षेत्र देखने में है। जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का में शामिल होने पहुंचे एस जयशंकर तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली पहुंचे हैं। यहां वो 24 से 26 नवंबर तक चलने वाली जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा होंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में चल रही है। अपनी यात्रा के दौरान वे रोम में भारतीय दूतावास के नए परिसर का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित मेडिटेरेनियन डायलॉग के 10वें संस्करण में भी हिस्सा लिया।

ट्रंप कैबिनेट में कोलकाता में जन्मे जय भट्टाचार्य की एंट्री, कोरोनाकाल में लॉकडाउन के रहे विरोधी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक जय भट्टाचार्य को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के निदेशक के रूप में चुना है। एनआईएच देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान और वित्त पोषण संस्थानों में से एक है। इसके साथ ही ट्रंप 2.0 कैबिनेट में भट्टाचार्य शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतवंशी हैं।

इससे पहले ट्रंप ने टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशियेंसी (डोज) का नेतृत्व करने के लिए भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी को चुना था। हालांकि, यह एक स्वैच्छिक पद है और इसके लिए अमेरिकी सीनेट से पुष्टि की आवश्यकता नहीं है। यानी यह विभाग सीधे तौर पर ट्रंप के कैबिनेट से नहीं जुड़ा है और यह सरकार के बाहर रहकर काम करेगा। ट्रंप ने कैबिनेट में शीर्ष पद के लिए भारतवंशी के नाम का ऐलान करते हुए कहा, "मुझे जय भट्टाचार्य, एमडी, पीएचडी. को एनआईएच के निदेशक के रूप में नामित करके काफी खुशी हो रही है। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के चिकित्सा अनुसंधान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे और स्वास्थ्य में सुधार लाने और लोगों की जिंदगी बचाने वाली अहम खोज को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करेंगे।" जय भट्टाचार्य का जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में 1990 के दौर में यहां बैचलर ऑफ आर्ट्स और फिर मास्टर ऑफ आर्ट्स किया। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री हासिल की और साल 2000 में अर्थशास्त्र में पीएचडी किया। ट्रंप ने कहा कि जय भट्टाचार्य मौजूदा समय में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर हैं और नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में रिसर्च एसोसिएट के तौर पर काम कर रहे हैं। वे स्टैनफोर्ड में स्वास्थ्य और उम्र से जुड़े जनसांख्यिकी और अर्थशास्त्र केंद्र के निदेशक हैं। उनकी रिसर्च स्वास्थ्य के अलावा कमजोर आबादी की बेहतर देखभाल से जुड़ी है। उनकी रिसर्च अर्थशास्त्र, कानून से लेकर स्वास्थ्य नीति के जर्नल्स तक में छपी हैं। कोरोनाकाल के दौरान लॉकडाउन का विकल्प भी बताया भट्टाचार्य ने कोरोनाकाल में ग्रेट बैरिंगटन डेक्लेरेशन का सह-लेखन भी किया था। यह अक्तूबर 2020 से कोरोना में लगाए गए लॉकडाउन का विकल्प बताया गया था। इस दौरान उन्होंने सरकार के कोरोना से जुड़े प्रतिबंधों और मास्क नीति का भी विरोध किया था। उन्होंने कोरोना से बचाव के लिए इसे लोगों में फैलने देने और हर्ड इम्युनिटी के पक्ष में तर्क दिए थे।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी का विरोध प्रदर्शन खत्म : सेना ने खदेड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अपना विरोध-प्रदर्शन खत्म कर दिया है। पाकिस्तानी वेबसाइट द डॉन के मुताबिक पार्टी ने बुधवार सुबह इसका ऐलान किया। पीटीआई ने कहा कि इमरान खान की सलाह पर आगे कोई फैसला किया जाएगा। पीटीआई ने एक प्रेस रिलीज में कहा है, सरकार क्रूरता से निहत्थे नागरिकों की हत्या के लिए तैयार है। इस्लामाबाद को कत्लगाह बनाने से रोकने के लिए वे अपने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को अस्थायी तौर पर स्थगित कर रहे हैं। इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक गंडापुर ने मंगलवार देर रात प्रदर्शनकारियों को घर चले जाने को कहा था। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा दोनों गिरफ्तारी के डर से भाग गए हैं। मंत्री तरार बोले- संसद भवन पर हमला करने की योजना थी डॉन ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि गंडापुर और बुशरा बीबी इसके बाद विरोध प्रदर्शन से चले गए और उसके बाद से उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता तरार ने दावा किया कि दोनों खैबर पख्तूनख्वा वापस लौट गए हैं। तरार ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने संसद पर भी हमला करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि इसी वजह से भागते वक्त उन्होंने कंटेनर में आग लगा दी। भागने से पहले वे इसी कंटेनर में रह रहे थे। वे नहीं चाहते थे कि उनके जाने के बाद सुरक्षाकर्मियों को प्रदर्शन से

जुड़े सबूत हाथ लगें। पाकिस्तान में इमरान खान की रिहाई को लेकर 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। 3 दिनों में हुए विरोध प्रदर्शन में कम से कम 7 लोगों की जान चली गई। इनमें 4 प्रदर्शनकारी और 3 पुलिसकर्मी शामिल हैं। सुरक्षाकर्मियों ने 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया है। सेना ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा इमरान खान समर्थक मंगलवार दोपहर को इस्लामाबाद में डी-चौक पर पहुंच गए थे। इस इलाके में संसद, पीएम, राष्ट्रपति का कार्यालय और सुप्रीम कोर्ट हैं। हालांकि, पाकिस्तानी पुलिस और सेना ने रात 8 बजे के बाद प्रदर्शनकारियों को वापस खदेड़ दिया। मंगलवार को पूरे दिन पीटीआई समर्थकों का संघीय राजधानी में सुरक्षाकर्मियों से टकराव हुआ। झड़प के दौरान 60 से अधिक लोग घायल हो गए, क्योंकि दोनों तरफ से आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया गया। हिंसा से निपटने के लिए राजधानी इस्लामाबाद में धारा 245 लागू कर दी गई थी। प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था। पुलिसकर्मी की मौत के मामले में इमरान पर मामला दर्ज तक्षशिला पुलिस ने सोमवार को एक पुलिस कांस्टेबल की मौत के मामले में मंगलवार को इमरान खान और सीएम गंडापुर के खिलाफ मामला दर्ज किया। एफआईआर में कहा गया है कि आंसू गैस, रबर बुलेट गन और अन्य हथियारों से लैस प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर हिंसक हमले किए। एफआईआर के मुताबिक, पीटीआई से जुड़े लोगों ने कांस्टेबल मुबाशिर हसन को घायल कर दिया और उसे लाल रंग की वैन में अगवा कर लिया। इसके बाद उसे हकला ब्रिज के नीचे फेंक दिया गया। कांस्टेबल हसन को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

स्वत्वाधिकारी: प्रकाशक एवं मुद्रक: पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चित्तौड़वालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्लांट, 12 इंड्रा सर्किल, गठिलाखेड़ा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चित्तौड़ रोड, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादक: पंकज गर्ग, कार्यालय नंबर: 01482-455184, मो. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com